एमएलबी स्कूल क्षेत्र में ठेले हटाने की कार्रवाई, छोटे कारोबारियों की रोजी पर असर

छोटों पर सख्ती, बड़ों पर खामोशी

नगर निगम की कार्रवाई पर उठे सवाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| छिन्दवाडा

शहर में एक बार फिर नगर निगम की अतिक्रमण विरोधी कार्रवाई चर्चा का विषय बन गई है। बुधवार सुबह एमएलबी स्कूल के आसपास और पानी की टंकी के पास वर्षों से लग रहे फल-फ्रूट के ठेलों को हटाने के लिए निगम का अमला पहुंचा और देखते ही देखते कई छोटे व्यवसायियों की रोजी-रोटी उजड़ गई। निगम की इस कार्रवाई को लेकर शहरवासियों और प्रभावित दुकानदारों के बीच नाराजगी साफ देखी गई।

नगर निगम का दावा है कि यह अभियान शहर को अतिक्रमण मुक्त बनाने के लिए चलाया जा रहा है, ताकि यातायात सुगम हो सके और सड़कें साफ-सुथरी बनी रहें। लेकिन सवाल यह उठता है कि क्या यह कार्रवाई वास्तव में निष्पक्ष है? या फिर हर बार की तरह इस बार भी निशाना केवल छोटे दुकानदार ही बने हैं?स्थानीय लोगों का कहना है कि यह कोई पहली बार नहीं है जब निगम ने इस तरह की कार्रवाई की हो। हर कुछ महीनों में एक-दो दिन के लिए अभियान चलाया जाता है, ठेले और गुमठियां हटाई जाती हैं, और फिर कुछ ही दिनों में अतिक्रमणकारी दोबारा वहीं अपने पैर पसार लेते हैं। इससे साफ जाहिर होता है कि यह कार्रवाई केवल औपचारिकता बनकर रह गई है, जिसका स्थायी समाधान से कोई लेना-देना नहीं है।

सबसे बड़ा आरोप यह है कि निगम की यह सख्ती केवल कमजोर और छोटे व्यापारियों तक ही सीमित रहती है। शहर के प्रमुख मार्गों और व्यस्त बाजारों में बड़े प्रतिष्ठानों द्वारा किए गए अतिक्रमण पर शायद ही कभी कोई कार्रवाई देखने को मिलती है। कई बड़े दुकानदारों ने सड़क तक अपना सामान फैला रखा है, पार्किंग की जगह घेर ली है, लेकिन निगम की नजर वहां तक नहीं पहुंचती।

एमएलबी स्कूल के पास फल बेचने वाले एक दुकानदार ने अपनी पीड़ा जाहिर करते हुए कहा कि "हम रोज कमाकर खाने वाले लोग हैं। सुबह से शाम तक मेहनत करते हैं, तब जाकर घर चलता है। निगम वाले आते हैं, हमारा ठेला उठा ले जाते हैं, लेकिन बड़े दुकानों वालों को कोई कुछ नहीं कहता। क्या कानून सिर्फ हमारे लिए है?"यह सवाल अब आम नागरिकों के मन में भी घर कर रहा है।

यदि शहर को अतिक्रमण मुक्त बनाना है तो कार्रवाई समान रूप से होनी चाहिए, न कि केवल उन लोगों पर जो पहले से ही आर्थिक रूप से कमजोर हैं। नगर निगम को यह समझना होगा कि छोटे व्यापारियों को हटाना आसान है, लेकिन असली चुनौती उन प्रभावशाली अतिक्रमणकारियों के खिलाफ कार्रवाई करना है, जो नियमों की खुलेआम धज्जियां उड़ा रहे हैं।

कुछ दिनों बाद स्थिति जस की तस

विशेषज्ञों का भी मानना है कि इस तरह की छुटपुट कार्रवाई से समस्या का समाधान नहीं होगा। इसके लिए एक ठोस और दीर्घकालिक योजना बनानी होगी, जिसमें वैकल्पिक स्थान, व्यवस्थित बाजार और सख्त निगरानी शामिल हो। जब तक ऐसा नहीं होता, तब तक यह सिलसिला यूं ही चलता रहेगा—कार्रवाई होगी, ठेले हटेंगे, और कुछ दिनों बाद फिर वही स्थिति बन जाएगी।

सबके लिए हो कानून बराबर

निगम की जिम्मेदारी केवल अतिक्रमण हटाने तक सीमित नहीं है, बल्कि शहर के हर वर्ग के नागरिकों के साथ न्याय करना भी है। यदि छोटे दुकानदारों को हटाया जा रहा है, तो उनके पुनर्वास की व्यवस्था भी की जानी चाहिए। साथ ही, बड़े अतिक्रमणकारियों पर भी समान रूप से कार्रवाई होनी चाहिए, ताकि जनता में यह संदेश जाए कि कानून सबके लिए बराबर है। फिलहाल, छिंदवाड़ा में हुई इस कार्रवाई ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या नगर निगम वास्तव में शहर को व्यवस्थित करने की दिशा में काम कर रहा है, या फिर यह केवल दिखावटी अभियान बनकर रह गया है। जब तक इस सवाल का ईमानदारी से जवाब नहीं मिलता, तब तक ऐसे अभियान केवल विवाद और असंतोष को ही जन्म देते रहेंगे।

राज्य में भाजपा की सरकार को 21 वर्ष और केन्द्र में 11 हो चुके छिन्दवाड़ा में 32 विकास के कार्य नहीं बता पाएंगे

भाजपा की सरकार अब तक सोई थी, कमलनाथ ने न्यूक्लियर पावर प्रोजेक्ट को लेकर चर्चा की तो जाग गई:- नकुलनाथ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| छिन्दवाडा

भाजपा की सरकार कोई काम करे या ना करे.एक काम बड़ी ही सफाई करती है और वह झूठ बोलने का..इस मामले में उनका कोई तोड़ नहीं है। केन्द्र में भाजपा की सरकार को 11 वर्ष और राज्य में 21 साल हो चुके। दोनों ही सरकार के कार्यकाल को जोड़ा जाए तो लगभग 32 वर्ष हो चुके हैं, इन वर्षों में भाजपा सरकार सोई हुई थी, जैसे ही मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री माननीय कमलनाथ जी ने छिन्दवाड़ा विधानसभा के ग्राम चौसरा में अडानी न्यूक्लियर पावर प्लांट को लेकर अडानी ग्रुप के प्रमुख गौतम अडानी जी से चर्चा की तो भाजपा जाग गई साथ भाजपा के नेता भी जाग गए, इसके लिए पहले उन्हें कभी इस प्लांट की याद नहीं है। उक्त बयान जिले के पूर्व सांसद माननीय नकुलनाथ जी ने अपने आगमन पर मीडिया के द्वारा पूछे गए प्रश्नों के प्रत्युत्तर में दिए। नकुलनाथ ने मीडिया के प्रश्नों पर भाजपा सरकार को घेरते हुए कहा कि विगत 32 वर्षों में भाजपा ने छिन्दवाड़ा संसदीय क्षेत्र में 32 विकास के कार्य नहीं किए, लेकिन श्रेय लेने और झूठ बोलने के मामले में यह आंकड़ा अनगिनत होगा। सही मायनों में छिन्दवाड़ा संसदीय क्षेत्र का विकास सिर्फ और सिर्फ पूर्व सीएम कमलनाथ एवं कांग्रेस ने किया है।

01 मई से शुरू होगा जनगणना 2027 का पहला चरण, कलेक्टर ने की तैयारियों की समीक्षा

छिन्दवाड़ा। जनगणना 2027 के तहत 16 से 30 अप्रैल 2026 तक स्व गणना कार्य के बाद 01 मई से 30 मई 2026 तक जनगणना का पहला चरण शुरू होगा। जिसके तहत मकानों की गणना और मकान सूचीकरण का कार्य किया जाएगा। जिसके लिए जिले में रिजर्व सहित 2925 प्रगणकों और 498 सुपरवाइजर्स की नियुक्त की गई है। नियुक्त प्रगणक घर - घर पहुंचकर 34 प्रश्न पूछेंगे और मकानों की गणना और सूचीकरण का कार्य करेंगे। जनगणना 2027 के प्रथम चरण की तैयारियों की समीक्षा के लिए कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी श्री हरेंद्र नारायन ने जनगणना कार्य से जुड़े सभी अधिकारियों, सभी एसडीएम और सभी शहरी एवं ग्रामीण चार्ज अधिकारियों की बैठक ली। बैठक का आयोजन कलेक्टर कार्यालय के मिनी सभाकक्ष में किया गया था, जिसमें मुख्यालय के अधिकारी सभाकक्ष में उपस्थित थे, जबकि फील्ड के अधिकारी वीसी से जुड़े थे। बैठक में अपर कलेक्टर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, डिप्टी कलेक्टर एवं जिला जनगणना अधिकारी, श्री अनुज सोलंकी जिला प्रभारी जनगणना निदेशालय, मास्टर ट्रेनर जनगणना प्रो.पी.एन.सनेसर, आयुक्त एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी नगर पालिक निगम छिंदवाड़ा, जिला सूचना एवं विज्ञान अधिकारी, एनआईसी छिंदवाड़ा, जिला जनसंपर्क अधिकारी सहित स्वास्थ्य एवं शिक्षा विभाग के आधिकारी मौजूद थे। कलेक्टर श्री नारायन ने निर्देश दिए कि जिला स्तर और चार्ज स्तर पर दो - दो कंट्रोल रूम सक्रिय हो जाएं। सभी प्रगणकों से कंट्रोल रूम और मास्टर ट्रेनर्स के नंबर साझा कर दिए जाएं। जनगणना निदेशालय से प्रगणकों और सुपरवाइजर्स के लिए किट प्राप्त हो चुकी, उनका वितरण तत्काल कर दिया जाए। उस किट में प्रगणकों को धूप से बचाव के लिए कैप, पानी की बोटल आदि भी उपलब्ध कराई गई है। आपातकालीन स्थिति के लिए फर्स्ट एड किट, इलेक्ट्रॉल आदि साथ रखें।

परीक्षा में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं: कलेक्टर

कलेक्टर ने एसपी के साथ किया नीट के परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण, व्यवस्थाओं का लिया जायजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| छिन्दवाडा

कलेक्टर हरेंद्र नारायन ने बुधवार को पुलिस अधीक्षक श्री अजय पांडेय एवं राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी द्वारा नियुक्त किए गए सिटी कोऑर्डिनेटर श्री हरि प्रसाद धारकर के साथ आगामी 3 मई 2026 को नगर में आयोजित होने वाली नीट यूजी परीक्षा के लिए बनाए गए विभिन्न परीक्षा केंद्रों का भ्रमण कर परीक्षा की तैयारियों का जायजा लिया।

इस दौरान कलेक्टर श्री नारायन ने सूक्ष्मता से जांच करते हुए विभिन्न केंद्रों पर आवश्यक सुधार के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने सभी केंद्र अधीक्षकों को सख्त रूप से निर्देशित किया कि राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी के द्वारा दिए गए निर्देशों का अक्षरशः पालन सुनिश्चित किया जाए । उन्होंने सभी संबंधित केंद्र अधीक्षकों एवं केंद्रों पर कार्य करने वाले शिक्षकों के लिए निर्देश दिए कि इस परीक्षा की तैयारी को अत्यंत गंभीरता से लिया जाना चाहिए, परीक्षा को लेकर कामचलाऊ रवैया बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी, नई दिल्ली के निर्देशानुसार नीट (यूजी) 2026 परीक्षा का आयोजन 03 मई 2026 रविवार को किया जाएगा। परीक्षा दोपहर 2:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक छिंदवाड़ा जिले के मुख्यालय स्थित 8 परीक्षा केंद्रों में आयोजित होगी। इस परीक्षा में कुल 4143 परीक्षार्थी सम्मिलित होंगे। इस परीक्षा का संचालन सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिये कलेक्टर श्री हरेंद्र नारायन द्वारा सभी परीक्षा केन्द्रों पर निरीक्षण के लिये कार्यपालिक मजिस्ट्रेटों की ड्यूटी लगाई गई है। गत दिवस कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में कलेक्टर श्री नारायन ने सभी केंद्राध्यक्षों एवं संबंधित अधिकारियों की बैठक लेकर परीक्षा की तैयारियों की समीक्षा की और नेशनल टेस्ट एजेंसी की गाइडलाइन से भी अवगत कराते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि यह महत्वपूर्ण परीक्षा है।

क्षेत्रीय खेलकूद प्रतियोगिता के दूसरे दिन खेले गये रोमांचक मुकाबले

छिन्दवाड़ा। पी.एम. केंद्रीय विद्यालय में आयोजित क्षेत्रीय खेलकूद प्रतियोगिता के दूसरे दिन विभिन्न मैदानों पर अंडर-14 एवं अंडर-17 वर्ग के रोमांचक मुकाबले खेले गए। खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए खेल भावना का परिचय दिया। शुक्ला ग्राउंड पर खेले गए अंडर-17 वर्ग के पहले मैच में जबलपुर जीसीएफ और पीएम श्री सीधी के बीच मुकाबला हुआ। सीधी टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 72 रन का लक्ष्य निर्धारित किया। लक्ष्य का सफलतापूर्वक बचाव करते हुए सीधी ने यह मैच 5 रन से जीत लिया। जबलपुर जीसीएफ के आदित्य शंकर ने सर्वाधिक 26 रन बनाए, जबकि सीधी के होरित ने 2 ओवर में मात्र 2 रन देकर 2 विकेट लेकर उत्कृष्ट गेंदबाजी की। शुक्ला ग्राउंड पर ही अंडर-14 वर्ग का द्वितीय हाफ फाइनल मुकाबला केवी रीवा क्रमांक-1 और केवी सीएमएम जबलपुर के बीच खेला गया। रीवा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 72 रन का लक्ष्य निर्धारित किया। जवाब में सीएमएम जबलपुर टीम लक्ष्य हासिल नहीं कर सकी और रीवा ने यह मुकाबला 30 रनों से जीत लिया। इस जीत के साथ केवी रीवा क्रमांक-1 की टीम ने राष्ट्रीय स्तर (नेशनल्स) के लिए अपनी जगह सुनिश्चित कर ली। रीवा के आदित्य ने सर्वाधिक रन बनाए, जबकि जबलपुर के अरहत कांडे ने 16 रन देकर 3 विकेट हासिल किए। पीजी ग्राउंड पर खेले गए एक अन्य मुकाबले में केवी सीएमएम और केवी क्रमांक-2 सागर आमने-सामने रहे। टॉस जीतकर सागर ने पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया। केवी सीएमएम ने 10 ओवर में 64 रन का लक्ष्य दिया। रोमांचक मुकाबले में केवी जबलपुर ने 4 विकेट के नुकसान पर 1 रन से जीत दर्ज की। इसी क्रम में पीजी ग्राउंड पर अंडर-17 वर्ग का एक कड़ा मुकाबला केवी जीसीएफ जबलपुर और केवी रीवा क्रमांक-1 के बीच खेला गया। केवी जीसीएफ जबलपुर ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 81 रन का लक्ष्य निर्धारित किया।

सेवाभावी दिवस के रूप में हर्षोउल्लास के साथ मनाया सांसद का जन्मदिवस

सांसद ने वृद्धाश्रम में तत्काल ही 3 कूलर भेजते हुए अतिरिक्त कक्ष निर्माण के लिए 10 लाख देने की घोषणा की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| छिन्दवाडा

बुधवार का दिन लोगों के लिए उस समय यादगार बन गया जब किसी पार्टी के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के अलावा विभिन्न सामाजिक, विभागीय व स्वंयसेवी संगठनों ने किसी सांसद का जन्मदिन सेवाभावी दिवस के साथ गरीमामयी माहौल में हर्षोउल्लास और धूमधाम से मनाया हो। अवसर था छिंदवाड़ा के बेटे व भाई सांसद बंटी विवेक साहू के जन्मदिन का। सांसद के जन्मदिन को लेकर मंगलवार की शाम से ही आयोजन शुरू हो गये थे, जो कि बुधवार की देर रात तक चलते रहे। सांसद बंटी विवेक साहू भी अपने जन्मदिन को सेवाभावी दिवस को सर्मपित करते हुए विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल हुए।

सांसद बंटी विवेक साहू ने जन्मदिन की पूर्व संध्या के अवसर पर मंडल अध्यक्ष अंकुर शुक्ला के द्वारा पातालेश्वर मंदिर के सामने वार्ड नं. 19 और 20 के समस्त भाजपा बूथ प्रभारियों एवं कार्यकर्ताओं के माध्यम से भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मंगलवार की रात 12 बजे भाजपा युवा मोर्चा सहित अन्य पदाधिकारियों और समाजसेवियों के द्वारा परासिया रोड स्थित सांसद बंटी विवेक साहू के निवास स्थान के सामने ढोल नगाडों के साथ केक काटा गया एवं आतिशबाजी की गई। जन्मदिन के अवसर पर सांसद बंटी विवेक साहू ने अपने जन्मदिन को सेवाभावी कार्यों को सर्मपित करते हुए सुबह प्रियदर्शनी कॉलोनी स्थित वृध्दाश्रम पहुंचकर वृध्दजनों से आर्शीवाद लिया एवं सभी वृध्दजनों को पंगत में बैठाकर खुद अपने हाथों से उन्हें भोजन परोसा। इस दौरान सभी वृध्दजनों ने सांसद बंटी विवेक साहू को आर्शीवाद दिया।

सांसद बंटी विवेक साहू ने वृद्धाश्रम में तत्काल ही 3 कूलर भेजते हुए अतिरिक्त कक्ष निर्माण के लिए 10 लाख देने की घोषणा की। इस दौरान वरिष्ठ भाजपा नेता व समाजसेवी दारा जुनेजा ने भी सांसद बंटी विवेक साहू के जन्मदिन के अवसर पर अपनी ओर से वृद्धाश्रम में अतिरिक्त कक्ष निर्माण के लिए 10 लाख देने की घोषणा की। सांसद बंटी विवेक साहू ने पोआमा स्थित आधार फांउडेशन में पहुंचकर यहां दिव्यांग बच्चों की सेवा करते हुए उनके बीच केक काटा और उन्हें अपने हाथों से भोजन परोसा।

सांसद के जन्मदिन पर चिकित्सकों ने किया रक्तदान

हरिभूमि न्यूज। छिंदवाड़ा। सांसद बंटी विवेक साहू के जन्मदिवस के शुभ अवसर पर विशाल 'रक्तदान शिविर' का होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ़ इंडिया छिंदवाड़ा यूनिट एवं जिला भाजपा प्रकोष्ठ के तत्वावधान में एवं जिला अध्यक्ष डॉक्टर कोमल जायसवाल एवं छिंदवाड़ा यूनिट के सरक्षक डॉ अरविन्द पशीने एवं डॉ कृष्णा हरजानी के निर्देशन के तत्वावधान में विशाल शिविर का आयोजन किया गया । जिसमे छिंदवाड़ा यूनिट के सदस्यो द्वारा रितेश राय, एवं अमरवाड़ा से पधारे डॉ शुभम वर्मा ने बहुत उत्साह के साथ रक्तदान दिया। इसके अलावा बढ़ी संख्या में जिले से आये लोगों ने बढ़चढ़ कर रक्तदान में हिस्सा लिये क्तदान महादान है, आपके द्वारा दिया गया रक्त किसी का जीवन बचा सकता है। सांसद के जन्मदिन के सुअवसर पर जिले से डॉक्टर समाजसेवीयों ने इस महादान में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया इस महान पुण्य कार्य में हमाई के जिला अध्यक्ष डॉ कोमल जायसवाल, डॉ अरविंद पशीने,डॉ नीलोफर मंसूरी, डॉ मेघा वास्त्री, डॉ कृष्णा हरजानी डॉ शुभम वर्मा डॉ अखिलेश पवार सहित जिले से आये अन्य सदस्यगण इस रक्तदान शिविर में पहुँचकर इस पुनीत कार्य में अपना सहभागिता दिए।

निःशुल्क निःसंतानता परामर्श शिविर सम्पन्न

दमुआ। निःशुल्क निःसंतानता परामर्श शिविर का आयोजन 29 अप्रैल दिन बुधवार दोपहर 11 बजे से शाम 5 बजे तक डॉ. आर.के. विश्वकर्मा क्लिनिक हॉस्पिटल दमुआ में किया गया जहां इंदिरा आई.वी.एफ. हास्पिटल छिन्दवाडा के विशेषज्ञ डॉ. धमेन्द्र, डॉ. योगेश, एवं डॉ. आर.के विश्वकर्मा जी सहित सहयोगी मुकेश सूर्यवंशी, अज्जू भाई और लायंस सेवा समिति दमुआ के सदस्यगण, पैरामेडिकल टीम मुख्य रूप से शामिल थे उक्त शिविर में पहुंचने वाले निःसंतान दम्पत्ति को इंदिरा आई.वी.एफ के चिकित्सको द्वारा निःशुल्क निःसंतानता परामर्श की सलाह दी गई जबकि इंदिरा आई.वी.एफ हास्पिटल छिन्दवाडा के चिकित्सको के द्वारा जानकारी दी गई कि आगामी दिनो में पुनः इसी तरह निःशुल्क निःसंतानता परामर्श शिविर का दमुआ में आयोजन किया जावेगा।

समय-सीमा बैठक में विभागीय कार्यों की समीक्षा, अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

कलेक्टर नीरज कुमार वशिष्ठ की अध्यक्षता में समय-सीमा बैठक संपन्न

हरिभूमि न्यूज ▶▶| छिन्दवाडा

कलेक्टर नीरज कुमार वशिष्ठ की अध्यक्षता में आज कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में समय-सीमा बैठक आयोजित की गई। बैठक में संयुक्त कलेक्टर सुश्री मेघा शर्मा, एसडीएम पांढुर्णा श्रीमती अलका एक्का, तहसीलदार पांढुर्णा सुश्री प्रेक्षा पाठक, जनपद पंचायत सीईओ श्रीमती बंदू सूर्यवंशी सहित जिला स्तर के समस्त अधिकारी उपस्थित रहे। वहीं विकासखंड सौसर से प्रभारी अनुविभागीय अधिकारी श्री प्रियंक मिश्रा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में शामिल हुए।

बैठक के दौरान कलेक्टर वशिष्ठ ने विभिन्न विभागों की प्रगति की गहन समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। महिला एवं बाल विकास विभाग की परियोजना अधिकारी श्रीमती उषा पंद्रे से सीमा पति हेमंत परिहार की आंगनबाड़ी सहायिका के रूप में नियुक्ति के संबंध में जानकारी प्राप्त कर आवश्यक निर्देश दिए गए, जिससे संबंधित प्रक्रिया पारदर्शी एवं समयबद्ध रूप से पूर्ण हो सके।

कलेक्टर श्री वशिष्ठ ने कुमारी अमीषा हजारे एवं कुमारी रितिका हजारे, निवासी ग्राम राजना, का प्रवेश सांदीपनी विद्यालय पांढुर्णा में सुनिश्चित कराने के साथ ही उन्हें प्रतिमाह 5000 रुपये की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के लिए तहसीलदार पांढुर्णा सुश्री प्रेक्षा पाठक को निर्देशित किया। यह पहल शिक्षा के क्षेत्र में जरूरतमंद विद्यार्थियों को प्रोत्साहन देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

कलेक्टर-पुलिस अधीक्षक का सख्त एक्शन: शहर की व्यवस्था सुधारने सड़कों पर उतरे अधिकारी

एक व्यक्ति-एक दुकान" नियम से साप्ताहिक बाजार में दिखेगा अनुशासन, अतिक्रमण पर भी कड़ा रुख

हरिभूमि न्यूज ▶▶| छिन्दवाडा

कलेक्टर नीरज कुमार वशिष्ठ एवं पुलिस अधीक्षक सुंदर सिंह कनेश द्वारा पांढुर्णा शहर की यातायात एवं बाजार व्यवस्था को सुव्यवस्थित एवं सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से साप्ताहिक बाजार क्षेत्र सहित प्रमुख मार्गों का पैदल निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान एसडीएम पांढुर्णा श्रीमती अलका एक्का सहित अन्य पुलिस कर्मी, अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे, निरिक्षण के दौरान अधिकारियों ने बाजार की वर्तमान व्यवस्थाओं, यातायात की स्थिति एवं आमजन की सुविधा से संबंधित पहलुओं का सूक्ष्म अवलोकन किया तथा मौके पर उपस्थित संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए।

कलेक्टर श्री वशिष्ठ ने साप्ताहिक बाजार में व्यवस्था सुधार एवं भीड़-नियंत्रण के लिए "एक व्यक्ति-एक दुकान" नियम लागू करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस व्यवस्था से बाजार में अनावश्यक भीड़भाड़ एवं अव्यवस्था पर नियंत्रण स्थापित होगा तथा आमजन को सुगमता से खरीदारी करने में सुविधा मिलेगी।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर वशिष्ठ एवं पुलिस अधीक्षक सुंदर सिंह कनेश द्वारा सड़क एवं मार्गों पर अतिक्रमण कर यातायात बाधित करने वाले दुकानदारों एवं ठेला संचालकों को चिन्हित करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि ऐसे अतिक्रमणों को व्यवस्थित किया जाए एवं आवश्यकता अनुसार हटाने की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। इस दौरान कलेक्टर श्री वशिष्ठ ने बाजार क्षेत्र में साफ-सफाई, व्यवस्थित पार्किंग एवं मार्गों के सुगम आवागमन पर विशेष ध्यान देने के निर्देश भी दिए।

सत्ता, विपक्ष दोनों की मौन स्वास्थ्य व्यवस्थाएं भगवान भरोसे,बुधवार से फिर शुरू हुआ बीएमओ हटाओ आंदोलन

बिना इलाज वापस जा रहे सौंसर हॉस्पिटल से मरीज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सौंसर

सिविल अस्पताल इन दिनों इलाज का केंद्र कम और सियासत का अखाड़ा ज्यादा नजर आ रहा है. अस्पताल के भीतर बीएमओ हटाने को लेकर चल रहे 'हाई वोल्टेज ड्रामे' ने स्वास्थ्य सेवाओं का दम तोड़ दिया है, और आम जनता मरीज बेबस होकर इस तमाशे को देखने को मजबूर है।

बुधवार से सौसर अस्पताल में बीएमओ हटाओ आंदोलन' का दूसरा चरण फिर से शुरू हो गया है, हड़ताल को डॉक्टर ने भी अपना समर्थन देते हुए अपना काम बंद रखा है।हैरानी की बात यह है कि स्वास्थ्य कर्मचारी और डॉक्टर खुद हड़ताल पर चले गए हैं. उनकी मांग है कि वर्तमान ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर को तत्काल प्रभाव से हटाया जाए.एक तरफ सभी स्वास्थ्य कर्मचारी अड़े हैं, तो दूसरी तरफ अस्पताल प्रबंधन एक अजीबोगरीब 'प्रस्ताव' लेकर आया है। चर्चा है कि जिस महिला चिकित्सक पूजा कंगाले ने बीएमओ के खिलाफ मानसिक रूप से परेशांन अभद्रता शिकायत दर्ज कराई थी, उसे ही सौसर बीएमओ ने अब 'प्रभारी बीएमओ बनाने का पत्र सीएमएचओ लिखते हुए स्वयं 15 दिन की छुट्टी पर जाने का हवाला दिया है। हालांकि यह प्रस्ताव प्रशासनिक हलकों में चर्चा का विषय बना हुआ है कि क्या शिकायतकर्ताओं को ईनाम देना ही अब नई नीति है।

बीएमओ ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर किया आरोपों का खंडन

बुधवार से स्वास्थ्य कर्मचारियों के आंदोलन की आंच तेज होते देख, वर्तमान बीएमओ ने मैदान छोड़ने का मन बना लिया है. सूत्रों के अनुसार, उन्होंने अस्वस्थ बताकर 15 दिन की लंबी छुट्टी पर जाने के लिए वरिष्ठ अधिकारियों को पत्र लिखा है. इसे उनकी नैतिक हार माना जाए या जिम्मेदारी से भागने का तरीका, यह एक बड़ा सवाल है.अपनी लाचारी जताते हुए बीएमओ ने प्रेस वार्ता में कहा,मेरी कोई नहीं सुनता है, काम के लिए वरिष्ठ अधिकारियों की मुझे डांट खानी पड़ती है। यह बयान खुद उनकी प्रशासनिक पकड़ और नेतृत्व क्षमता पर गंभीर सवाल खड़े करता है. क्या एक जिम्मेदार अधिकारी का यह कहना जायज है?

मुझे मानसिक रूप से परेशान किया जा रहा है: डॉ पूजा

इस पूरे घटनाक्रम में एक और मोड़ तब आया जब शिकायतकर्ता डॉ. पूजा कंगाले ने अपनी चुप्पी तोड़ी. उन्होंने कहां की मुझे प्रभारी बीएमओ पदभार संभालने का कोई औपचारिक आदेश नहीं मिला है. मैं अस्वस्थ हूं और मुझे जानबूझकर मानसिक रूप से परेशान किया जा रहा है। बीएमओ साहब का महिला चिकित्सकों के साथ ही स्टाफ के साथ में व्यवहार ठीक नहीं है।

मरीजों की समस्या इलाज पर जनप्रतिनिधि मौन

अस्पताल में चल रही इस उठापटक, बीएमओ की कथित लापरवाही और ध्वस्त होती स्वास्थ्य सेवाओं पर सबसे ज्यादा अखरने वाली बात क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों की चुप्पी है. जनता पूछ रही है कि आखिर क्षेत्र के दिग्गज कांग्रेस और भाजपा नेता इस गंभीर मुद्दे पर 'मौन व्रत' क्यों धारण किए हुए हैं?क्या यह 'मौन' उनकी असमर्थता दर्शाता है या फिर सत्ता और विपक्ष के बीच कोई 'अघोषित समझौता' है, जिसके चलते मरीजों की जान दांव पर लगी है? जिले के आला अधिकारी भी फाइलें पलटने में व्यस्त हैं, जबकि जमीन पर हालात बद से बदतर होते जा रहे हैं।बुधवार को शुरू हुए धरना आंदोलन में प्रमुख रूप से स्वास्थ्य कर्मचारी नेता राजू खडाइत, प्रफुल्ल ठाकरे,सुनील वाहने,डॉ रूपेश बोकड़े,डॉ संदीप नखाते,डॉ पूजा कंगाले,डॉ राहुल गुज्जर के अलावा बड़ी संख्या में स्वास्थ्य विभाग के विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी एवं सदस्य का अनुपस्थित थे।

प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में उमड़ा जनसैलाब, वैदिक विधि-विधान से सम्पन्न हुआ मुख्य अनुष्ठान

जुन्नारदेव। नगर के वार्ड क्रमांक 10 स्थित पंचशील कॉलोनी, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के सामने, गार्डन के पास बाल कपिश्वर कुंज में आयोजित चार दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के तृतीय दिवस बुधवार को नर्मदेश्वर शिवलिंग एवं बाल स्वरूप हनुमान जी की प्राण प्रतिष्ठा वैदिक विधि-विधान के साथ सम्पन्न हुई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति ने आयोजन को विशेष भव्यता प्रदान की।प्रातः 9:30 बजे से विद्वान आचार्यों के सान्निध्य में आवाहित देवताओं का पूजन एवं मूर्ति न्यास सम्पन्न कराया गया। इसके पश्चात मुख्य प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान संपन्न हुआ, जिसमें मंत्रोच्चार, शंखध्वनि और धार्मिक अनुष्ठानों के मध्य पूरे परिसर में आध्यात्मिक वातावरण निर्मित हो गया। आयोजन स्थल पर दिनभर श्रद्धालुओं की सतत आवाजाही बनी रही। महिलाओं, युवाओं एवं बुजुर्गों की सक्रिय सहभागिता ने कार्यक्रम को व्यापक जनसमर्थन प्रदान किया। संध्या समय बाहर से आमंत्रित भक्ति गीत गायन कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियां दीं। समापन दिवस 30 अप्रैल को प्रातः 9:30 बजे समस्त देवी-देवताओं का आह्वान एवं पूजन-अर्चन किया जाएगा। दोपहर 2:00 बजे नर्मदेश्वर शिवलिंग एवं बाल स्वरूप हनुमान जी का अभिषेक के पश्चात हवन प्रारंभ होगा। सायं 5:00 बजे पूर्णाहूति, महाप्रसाद एवं विशाल भंडारा आयोजित किया जाएगा। रात्रि 8:00 बजे सुप्रसिद्ध गायिका रंजिता डेहरिया एवं उनके साथी कलाकारों द्वारा भक्ति गीतों की प्रस्तुति दी जाएगी। इस भव्य आयोजन के सफल संचालन में बाल कपिश्वर कुंज समिति एवं स्थानीय श्रद्धालुओं का सराहनीय योगदान रहा।

जल संकट को लेकर फिर हुई बैठक, लोगों ने की शिकायतें, राहत के नाम पर सिर्फ आश्वासन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ परासिया

गर्मी बढ़ने के साथ - साथ परासिया में जल संकट गहराता जा रहा है । जिसको लेकर एस डी एम की अध्यक्षता और नपा अध्यक्ष की उपस्थिति में बैठक हुई । जिसमें लोगों और जनप्रतिनिधियों ने ढेर सारी शिकायतें की । बैठक में इस समस्या से जल्द राहत के लिए आश्वासन दिया गया ।

हर साल गर्मियों में लोगों को जल संकट से छुटकारा दिलाने के लिए परिषद ने कई बार कई तरह के दावे किए , लेकिन हर साल गर्मी में लोगों को पानी के लिए तरसना पड़ता है । अभी लोगों को 10 से 12 दिनों के अंतराल में पानी मिल रहा है , यह शिकायत बैठक में शामिल लोगों ने बताई । बैठक में शामिल नेता प्रतिपक्ष वीर बहादुर ने भी कांग्रेस और उसके पार्षदों के द्वारा जल संकट को लेकर किए गए आंदोलनों , शिकायतों से एस डी एम और अध्यक्ष को अवगत कराया । उन्होंने कहा , कि फरवरी माह में ही परिषद को गर्मी के लिए पानी की पर्याप्त व्यवस्था बनाने को कहा गया था । कई सुझाव दिए गए , लेकिन इस दिशा में कोई कार्य नहीं किया गया । लोगों ने बताया , कि पानी के लिए उन्हें कितनी मशक्कत करनी पड़ रही है ।

शहर में कई जगह सार्वजनिक प्याऊ खोले गए , लेकिन वहां रखे मटकों में पानी ही नहीं रहता । खिरसाडोह में दो नलकूप अधिग्रहित किए गए , लेकिन अब तक वहां का पानी शहर तक लाने कोई प्रयास नहीं किए गए । इस बार भी हुई इस बैठक में आश्वासन ही मिला है , अभी मई और जून बाकी है । देखना है , कि लोगों को राहत कब तक मिल पायेगी ।

लांयस सेवा समिति में गरीब भोज का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ दमुआ

लायंस सेवा समिति दमुआ द्वारा प्रति सप्ताह दिन मंगलवार को निर्धन जरूरतमंद के जन कल्याण की सेवा के लिए भोजन वस्त्र साड़ी, बच्चो के कपडे वितरण जैस कार्यक्रम का आयोजन गरीब भोज परिसर कालरी आफिस के पास बेरियर दमुआ में गरीब भोज का आयोजन किया जा रहा है जिसमें जिन भी परिवार में किसी भी सदस्य का जन्मदिन या शादी की वर्षगांठ या फिर पुण्य तिथि स्मृति में गरीब भोज परिसर दमुआ में गरीबो की सेवा के लिए अपनी सेवा सहयोग प्रदान कर सकते है।

इसी क्रम में 27 अप्रैल को श्री रामप्रसाद गौतम जी नंदन निवासी जिनके सुपुत्र संदीप गौतम जी की शादी की सालगिरह पर गरीब भोज परिसर दमुआ में बडे ही सादगी पूर्ण तरीके से मनाई गई एवं उनके द्वारा गरीबो को वस्त्र स्वलाहार वितरण किये गये एवं समिति द्वारा उनका सह्रदय धन्यवाद किया गया उपस्थित जनो में लायंस सेवासमिति संरक्षक मदन सोनी जी,डॉ. आर.के विश्वकर्मा जी , रतनलाल सूर्या जी, राकेश खातरकर जी, दुर्गासिंह राजपूत जी, पत्रकार साथी भाई मुकेश साहू, रमेश राही, शिव भाई , मोहसिन भाई गुलाब वरवडे जी एवं परिहार सर लायंस सेवा समिति के सेवादार शंकर अतुलकर, मोती वर्मा, विजय उइके पंजाबराव , गुड्डु भाई, अशोक पाटिल भानू साहू आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

मसरें के खिलाफ कलेक्टर से शिकायत दर्ज, शिकायतकर्ता ने लगाया 34 लाख की हेराफेरी का

सौंसर। लोधीखेड़ा थाना क्षेत्र के अंतर्गत ₹घोटी माइन्स₹ के नाम पर लाखों की धोखाधड़ी और अवैध उत्खनन का एक गंभीर मामला सामने आया है। हिंदुस्तान मिनरल्स एंड सप्लाईज के प्रोप्राइटर रामनारायण केजरीवाल ने जिलाधिकारी और थाना प्रभारी लोधिखेड़ा को पत्र सौंपकर मुन्ना मसरें के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्यवाही की मांग की है। शिकायतकर्ता रामनारायण केजरीवाल के अनुसार, श्री मसरें ने खुद को घोटी (भुड़कुम) स्थित मैंगनीज खदान का मालिक बताकर उन्हें कम दर पर माल उपलब्ध कराने का लालच दिया। व्यापारिक साख का हवाला देते हुए आरोपी ने 50 लाख रुपये की मांग की थी, जिसमें से 34 लाख रुपये बैंक ट्रांजेक्शन के माध्यम से को दिए गए। इसमें हिंदुस्तान मिनरल्स और शाहिद खान एंटरप्राइजेस की ओर से भुगतान किया गया था।शिकायत में यह आरोप लगाया गया है कि आरोपी पिछले 2 वर्षों से उक्त माइन्स से अवैध रूप से मैंगनीज का उत्खनन कर रहा है। बिना अनुमति के किए जा रहे इस खनन से सरकार को करोड़ों रुपये के राजस्व का नुकसान होने की आशंका जताई गई है।पीड़ित का आरोप है कि जब उन्होंने अपनी राशि वापस मांगी, तो आरोपी द्वारा उन्हें व्हाट्सएप कॉल के माध्यम से धमकियां दी जा रही हैं। पूर्व में भी इसकी शिकायत की गई थी, लेकिन आरोपी ने अपने प्रभाव का इस्तेमाल कर कार्यवाही रुकवा दी थी। मामले में 'सतपथी' नामक व्यक्ति और अन्य सहयोगियों की संलिप्तता की भी बात सामने आई है।शिकायत पत्र में आरोपी के विरुद्ध निम्नलिखित धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज करने की मांग की गई है।शिकायतकर्ता ने मांग की है कि आरोपी के बैंक खातों और संपत्ति की जांच की जाए और कॉल रिकॉर्ड खंगाले जाएं ताकि इस पूरे नेटवर्क का खुलासा हो सके। पांढुर्णा प्रशासन और पुलिस अब इस हाई-प्रोफाइल धोखाधड़ी और अवैध उत्खनन मामले की जांच में जुट गई है।

30 अप्रैल को जिला पंचायत की सामान्य सभा की विशेष बैठक

बालाघाट। 30 अप्रैल को जिला पंचायत की सामान्य सभा की विशेष बैठक का आयोजन किया गया है। जिला पंचायत अध्यक्ष श्री सम्राट सिंह सरस्वार की अध्यक्षता में आयोजित यह बैठक जिला पंचायत कार्यालय सभाकक्ष में दोपहर 01 बजे से प्रारंभ होगी। इस बैठक में जल गंगा संवर्धन अभियान की समीक्षा की जायेगी। सभी सदस्यों एवं संबंधित अधिकारियों को बैठक में उपस्थित रहने के लिए सूचित किया गया है।

किस्त अटकने से अधूरे पड़े मकान, हितग्राही परेशान,कोई दफ्तरों के चक्कर काट रहा तो कोई कर्ज में डूबा

पीएम आवास प्रभारी की लापरवाही छीन रही गरीबों की छत

हरिभूमि न्यूज लांजी। प्रधानमंत्री आवास योजना का मकसद गरीब परिवारों को पक्की छत उपलब्ध कराना है, लेकिन लांजी क्षेत्र में यही योजना अब गरीबों के लिए परेशानी का कारण बनती जा रही है। पीएम आवास प्रभारी की कथित लापरवाही और मनमानी के चलते कई हितग्राहियों के मकान अधूरे पड़े हैं। पहली किस्त मिलने के बाद लोगों ने जैसे-तैसे निर्माण कार्य शुरू किया, लेकिन दूसरी किस्त समय पर नहीं मिलने से अब उनके सपनों का आशियाना अधर में लटक गया है। जानकारी के अनुसार लांजी जनपद क्षेत्र के ग्राम पंचायत बड़गांव के कई हितग्राहियों ने आरोप लगाया कि वर्ष 2024-25 में उनके आवास स्वीकृत हुए थे और पहली किस्त मिलने के बाद उन्होंने मकान निर्माण शुरू कर दिया। कई लोगों ने मजदूरी की कमाई लगाई तो कुछ ने रिश्तेदारों और साहूकारों से कर्ज लेकर काम आगे बढ़ाया, लेकिन जब दूसरी किस्त की बारी आई तो महीनों से फाइलें अटक गईं। नतीजा यह हुआ कि दीवारें खड़ी हो गईं, लेकिन छत डालने के लिए पैसा नहीं बचा। इस मामले में आज मंगलवार को जनसुनवाई में ग्राम बड़गांव के हितग्राही ने कलेक्टर के समक्ष पहुंचकर शिकायत भी दर्ज कराई गई है।

ग्राम पंचायत बिसोनी निवासी हितग्राही पवन कश्यप ने गंभीर आरोप लगाते हुए बताया कि उनके मकान की जियो टैगिंग प्रक्रिया पूरी हो चुकी थी और मकान भी लगभग तैयार हो गया था। इसके बावजूद पीएम आवास प्रभारी राजू प्रसाद हरिंद्रवार ने जियो टैगिंग को रिजेक्ट कर दिया, जिससे दूसरी किस्त अटक गई। पवन कश्यप ने सीएम हेल्पलाइन में शिकायत भी दर्ज कराई, लेकिन अब तक कोई राहत नहीं मिली।

स्थानीय लोगों का कहना है कि यह अकेला मामला नहीं है। लांजी क्षेत्र में ऐसे कई हितग्राही हैं जो अपनी लंबित किस्तों के लिए लगातार अधिकारियों के चक्कर काट रहे हैं। कोई अधूरे मकान में तिरपाल डालकर रहने को मजबूर है तो कोई कर्ज चुकाने की चिंता में परेशान है।गरीबों की छत का सपना जिस योजना से पूरा होना था, वही योजना अब अफसरशाही की लापरवाही की भेंट चढ़ती दिख रही है। सवाल यह है कि आखिर इन परेशान परिवारों की सुनवाई कब होगी और जिम्मेदारों पर कार्रवाई कब होगी।

श्रीराम सेना संगठन के पदाधिकारियों को फूट रहा भांडा

हरिभूमि न्यूज कटंगी।

किसी भी संगठन की मजबूती उसके पदाधिकारियों की एकजुटता और पारदर्शिता पर निर्भर करती है। लेकिन जब आंतरिक मतभेद सार्वजनिक हो जाते हैं और संगठन के पदाधिकारी अपना निजी स्वार्थ साधने के लिए संगठन का गलत उपयोग करते तो इससे संगठन की छवि और विश्वसनीयता पर गहरा असर पड़ता है। हाल ही में श्रीराम सेना संगठन कटंगी के पदाधिकारियों के बीच ऐसा ही विवाद सामने आया है, जिसने न केवल संगठन के पदाधिकारियों की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए बल्कि आम जनता को भी चौंका दिया है। मामला, संगठन के प्रमुख पदाधिकारियों के द्वारा अखाड़े के नाम पर दर्जन भर से अधिक पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को विश्वास में लेकर उनके नाम से बैंक में खोले गए कथित म्यूल अकाउंट और उसमें हुए लेन-देन और फिर मारपीट से जुड़ा हुआ है। श्रीराम सेना संगठन के नगर अध्यक्ष विकास सूर्यवंशी, नगर मंत्री सागर पंजवानी पर आरोप है कि उन्होंने संगठन से जुड़े हुए करीब दर्जन भर से अधिक लोगों के बैंक में अकाउंट खुलवाएं और इन अकाउंट के जरिए बिना खाताधारक की जानकारी के लाखों रुपए का लेन-देन हुआ है। इस मामले की जांच करते हुए विगत दिवस पुलिस ने करीब 15 लोगों को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 179 का नोटिस जारी करते हुए पूछताछ के लिए बुलाया था। 15 में से 2 लोग जिसमें प्रवेश बिंझाड़े और धनंजय नेवारे शामिल हैं। उन्होंने अपने कथन में पुलिस को बताया कि सागर पंजवानी और विशाल सूर्यवंशी ने संगठन के लिए अखाड़ा बनाना है। यह कहकर संगठन के कुछ पदाधिकारियों के एचडीएफसी बैंक शाखा कटंगी में खाते खुलवाए। उनके खातों में जो मोबाइल नंबर दर्ज था वह सागर पंजवानी अपने पास रखता था। इसके अलावा खाते की बैंक पासबुक, एटीएम भी उसी के पास होता था। जिस कारण खाते में होने वाली लेनदेन की जानकारी खाताधारक को नहीं मिल पाती थी। प्रवेश और धनंजय ने पुलिस को बताया कि जब 6 माह तक संगठन में कोई काम नहीं हुआ तो उन्होंने सागर से एटीएम और पासबुक मांगकर खाता ब्लॉक कर दिया। प्रवेश के मुताबिक उसके खाते में सागर की बहन सुजाता पंजवानी की यूपीआई आईडी और मोबाइल नंबर 741599×××× दर्ज था। जिसका संचालन सागर पंजवानी कर रहा था।

ऐसे सामने आया मामला: 29 मार्च 2026 दिन रविवार की रात्रि करीब साढ़े 11 बजे श्रीराम सेना संगठन के नगर अध्यक्ष विकास सूर्यवंशी, नगर मंत्री सागर पंजवानी, विशाल सूर्यवंशी, संतोष खटवानी, ओम प्रकाश नेवारे, योगेश राहंगडाले, कृष्णा हांडे, गणेश बर्वे ने नगर के सिवनी रोड़ निवासी आयुष नेवारे (श्रीराम सेना संगठन के पूर्व पदाधिकारी) से घर में घूसकर मारपीट की। आयुष ने घटना के बाद देर रात थाना पहुंचकर शिकायत दर्ज करवाई। जांच कर रहे पुलिस अधिकारी ने घटना को साधारण वारदात समझकर केवल चार लोगों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 296 (ए), 115 (2), 351 (3), 3 (5) की कार्रवाई की। जिसका दूसरे दिन आयुष और उसके परिजनों ने विरोध किया और पुलिस की कार्रवाई पर ही सवाल खड़े कर दिया। मामला एसडीओपी और फिर सामाजिक संगठन के जरिए पुलिस अधीक्षक के संज्ञान में लाया गया तब पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध दंगा फैलाने की धारा 191 (2) बढ़ा दी। आयुष नेवारे ने पुलिस को बताया कि विकास सूर्यवंशी और सागर पंजवानी ने संगठन के करीब दर्जन भर से अधिक युवाओं के एचडीएफसी बैंक में अकाउंट खुलवाकर अवैध आर्थिक गतिविधियां संचालित की है। जब उसे इसी बात की जानकारी मिली तो उसने अपना बैंक खाते की जानकारी मांगी जब जानकारी नहीं दी गई तो उसके अपना बैंक खाता बंद करवा लिया। इसी बात से गुस्सा होकर उसके साथ मारपीट की गई।

आर्थिक गतिविधियों के सामने आते ही खड़े हुए पुलिस के कान- कथित तौर पर अवैध आर्थिक गतिविधियों की वजह से मारपीट की घटना होने की जानकारी जैसे ही पुलिस के संज्ञान में आई। पुलिस के कान खड़े हो गए। पुलिस ने जांच शुरू की सबसे पहले आयुष नेवारे के खाते को खंगाला गया फिर भावेश नेवारे ने भी शिकायत की। एक के बाद एक शिकायत मिलने पर पुलिस ने जिन-जिन लोगों के नाम सामने आए। उन्हें नोटिस जारी किया। नोटिस के जारी होते ही सागर पंजवानी और विकास सूर्यवंशी भी सक्रिय हो गए। पुलिस ने जिन लोगों को नोटिस जारी किया वह उनसे मिलने लगें। विश्वसनीय सूत्रों की माने तो सागर और विकास कई जगह पर यह दावा कर रहे है कि उन्होंने पुलिस और पत्रकारों को पैसा देकर खरीद लिया है। इसलिए डरने की जरूरत नहीं है और ना ही पुलिस के पास कथन देने की जरूरत है। इन दोनों ने प्रवेश और धनंजय को भी यहीं बात कहते हुए कथन देने से रोका था। मगर, प्रवेश और धनंजय ने पुलिस की कार्रवाई में सहयोग करने के लिए थाने पहुंचकर अपने कथन दिए है।

आरोपियों के हौसले बुलंद: मारपीट और दंगा के मामले में जमानत मिलने के बाद आरोपियों के हौंसले और भी बुलंद हो गए है। यह कानून की धज्जियां उड़ाने से बाज नहीं आ रहे है बीते दिनों ही नगर के सिनेमा चौक में तलवार लेकर केक काटकर आरोपियों ने पुलिस को चुनौती देने का काम किया।

जनसुनवाई व विद्यार्थी सम्मान को लेकर भूतपूर्व विधायक डॉ. निर्मल ने किए तीखे वार

नगरपालिका में जनसुनवाई करने का पूर्व विधायक को क्या अधिकार?- डॉ. योगेन्द्र निर्मल

जनता के टैक्स से नहीं, अपने दम पर करे सम्मान

हरिभूमि न्यूज वारासिवनी। नगरपालिका परिषद वारासिवनी में मंगलवार को पूर्व विधायक प्रदीप जायसवाल द्वारा आयोजित की गई जनसुनवाई और 30 अप्रैल को नगरपालिका द्वारा कक्षा 10 वीं व 12 वीं के मेधावी विद्यार्थियों के सम्मान समारोह को लेकर भूतपूर्व विधायक व नगरपालिका के भूतपूर्व अध्यक्ष डॉ. योगेन्द्र निर्मल ने एक प्रेस वार्ता में जमकर तीखे वार किए है। उन्होंने पूर्व विधायक प्रदीप जायसवाल पर निर्वाचित पार्षदों व अध्यक्ष के अधिकारों का हनन करने का आरोप लगाते हुए कहा कि आखिर किस अधिकार से उन्होंने नगरपालिका में जनसुनवाई की थी। सरकार का स्पष्ट आदेश है कि महिला सरपंच व अध्यक्ष का पति या अन्य कोई बैठक में उपस्थित नही रह सकता है। फिर किस हैसियत से उन्होंने जनसुनवाई में सीएमओ, कर्मचारियों व अध्यक्ष को आदेश दिए थे।

प्रेस वार्ता में डॉ. निर्मल ने सवाल उठाया कि जब जनता ने पार्षदों को चुना है और उन्होंने अपना अध्यक्ष चुना है, तो उनकी पूरी जवाबदारी है कि वह जनता की समस्याओं का समाधान करे, लेकिन किसी अन्य जनप्रतिनिधि का उनके बीच हस्तक्षेप करने का कोई अधिकार नहीं बनता है। यदि उन्हें जनसुनवाई का शौक है, तो वह अपने कार्यालय में जनसुनवाई करे। उन्होंने कहा कि सुनने में आया है कि जनसुनवाई के दौरान कुछ कार्यकर्ताओं के बीच बहस भी हुई और किसी ने परिषद के लोगों पर पैसे मॉगने का आरोप भी लगाया है।

उन्होंने नगरपालिका द्वारा मेधावी विद्यार्थियों के सम्मान समारोह पर भी सवाल खड़े करते हुए कहा कि विद्यार्थियों का सम्मान करना अच्छी बात है, लेकिन क्या शासन से ऐसे कोई निर्देश या फंड आया है कि प्रावीण्य सूची के मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान किया जाना है। यदि नहीं आया है, तो एक व्यक्ति विशेष की वाहवाही के लिए जनता के टैक्स के पैसे पर हड्डी पर कबड्डी क्यों खेली जा रही है? सम्मान करना है, तो अपने दम पर करे। नागरिकों के टैक्स की राशि के पैसे से सम्मान कर कोई एक व्यक्ति श्रेय लेता है, तो यह गलत बात है। प्रोटोकाल की बात है, तो सिर्फ नगरपालिका अध्यक्ष और उनकी परिषद ही पर्याप्त है। इस मामले में हमारे द्वारा आरटीआई के माध्यम से खर्च की जाने वाली राशि और किस मद से की जा रही है, सहित अन्य जानकारियॉ नगरपालिका से हासिल कर विधिवत कार्यवाही की जायेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि नगरपालिका द्वारा रामपायली मार्ग पर रिधन चौहान की मिल से लेकर चंदन नदी तक दोनों ओर विद्युत पोल लगवाए गए है, जबकि वहॉ पर कोई निवास नहीं करता है। कहते है कि किसी कालोनी को फायदा पहुॅचाने के लिए वहॉ पर विद्युत पोल लगवाए गए है। जो अभी तक बंद पड़ी हुई है। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि नगर के लालबर्रा मार्ग, कटंगी मार्ग में लाईट की आवश्यकता है, वहॉ पर नगरपालिका का ध्यान नहीं है।

उन्होंने नगरपालिका द्वारा लगभग 28 लाख रुपये की लागत से नगर में लगवाए जा रहे सीसीटीवी कैमरों की गुणवत्ता पर भी सवाल खड़े करते हुए कहा कि नगर में जो सीसीटीवी कैमरे लगे हैं, वो महीनों से बंद या खराब पड़े है, उनकी क्वालिटी घटिया किस्म की है। उन्होंने कहा कि नगरपालिका में एक विशेष व्यक्ति जनता की हड्डी पर कबड्डी खेल रहा है। जो एक चिंतनीय विषय है। वो अपने हिसाब से नगरपालिका चला रहा है। जहां उनको काम करना है, वहीं काम करवाता है। जिस पार्षद के वार्ड में काम करवाया हैं, वहीं हो रहा हैं, जिन्हें ठेंगा दिखाना है उन्हें वहीं दिखा रहा है।

उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं का निराकरण करना हैं, तो अपने कार्यालय से करे। पूर्व मंत्री डोमन सिंह नगपुरे भी है और भी नेता हैं, सभी अपने कार्यालय से जनता के कार्य करते है। नगरपालिका जाने की क्या जरूरत है? वो अपने कार्यालय से ही नगरपालिका के जनप्रतिनिधियों को आदेशित कर सकते है। उन्होंने कहा कि नगरपालिका के कर्मचारी परेशान हैं, उन्हें ईपीएफ की राशि नहीं मिल रही हैं। एक कर्मचारी मेरे पास आया था, मैने सीएमओ से बात किया, उसे तत्काल राशि मिल गई। हम भी घर बैठे जनता का काम कर रहे है, वो भी कर सकते है। उन्होंने नगरपालिका में कठपुतली अध्यक्ष बैठते रहेंगे, तो कठपुतली का नाच होता रहेगा। मैने एक बार जनता के लिए नगरपालिका सीएमओ को माला पहना दिया था, उसका केस भी कोर्ट से लड़ा था। जनता हर मामले में नहीं बोलती हैं, उन्हें व्यापार करना पड़ता हैं, ये काम जनप्रतिनिधि का होता है।

काटता रहा पीएफ भरत रहा कोई और
लखनादौन में खेल बड़ा भर्ती बनी बाजार
पीएफ हुआ लापता स्वास्थ्य विभाग में कौन है असली खिलाड़ी

लखनादौन। हरिभूमि संवाददाता मुकेश साहू स्वास्थ्य विभाग लखनादौन इन दिनों गंभीर आरोपों के घेरे में है।

मल्टी टास्क वर्करों की संदिग्ध भर्तियों और 8 महीनों से पीएफ राशि गायब होने के मामले ने सिस्टम की कार्यप्रणाली पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। कर्मचारियों का सीधा आरोप है कि हर महीने वेतन से पीएफ काटा गया, लेकिन खातों में एक भी रुपया जमा नहीं हुआ। मामले में शौकत अली का नाम सामने आने के बाद अब यह सवाल और तेज हो गया है कि आखिर इस पूरे घटनाक्रम के पीछे कौन-कौन जिम्मेदार हैं।

कटौती हुई, लेकिन पैसा गायब जवाबदेह कौन?

यह मामला अब सिर्फ लापरवाही का नहीं, बल्कि सुनियोजित वित्तीय अनियमितता की ओर इशारा करता है। कर्मचारियों की जेब से निकली रकम अगर खातों तक नहीं पहुंची, तो वह गई कहां? और अगर गई, तो किसके पास?

भर्ती या बंद कमरे का सौदा?

सूत्रों की मानें तो कई नियुक्तियां बिना किसी वैधानिक प्रक्रिया के की गईं। न कोई आधिकारिक विज्ञापन, न मेरिट लिस्ट, न पारदर्शिता ऐसे में सवाल उठना लाजमी है कि क्या यह भर्ती प्रक्रिया थी या फिर बंद कमरे में तय किया गया सौदा भर्ती से जुड़े दस्तावेजों का अब तक सार्वजनिक न होना भी पूरे मामले को और संदिग्ध बनाता है।

ब्लैकलिस्ट फर्म को भुगतान नियम ताक पर

सबसे चौंकाने वाला आरोप यह है कि एक कथित ब्लैकलिस्टेड फर्म को भुगतान किया गया। यदि यह सही है, तो यह सिर्फ नियमों की अनदेखी नहीं बल्कि खुलेआम वित्तीय अनुशासन की धज्जियां उड़ाने जैसा है।

सवाल साफ है—किसके आदेश पर और किस दबाव में यह भुगतान हुआ

एक ही दिन में दो आदेश जांच प्रभावित करने की कोशिश? सूत्रों के मुताबिक, एक ही दिन में दो अलग-अलग आदेश जारी किए गए। यह संयोग है या जांच को प्रभावित करने की सोची-समझी चाल? इस पहलू ने पूरे मामले को और गंभीर बना दिया है।

चुप्पी क्यों? किसे बचाया जा रहा है?

सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि अब तक जिम्मेदार अधिकारियों की तरफ से कोई स्पष्ट जवाब नहीं आया है। यह चुप्पी खुद कई सवाल खड़े कर रही है—क्या किसी को बचाने की कोशिश हो रही है या सच्चाई दबाई जा रही है?

जांच के घेरे में तीखे सवाल

कर्मचारियों का पीएफ आखिर गया कहां?
फर्जी भर्तियों को किसने मंजूरी दी?
क्या यह पूरा खेल मिलीभगत से हुआ?
ब्लैकलिस्ट फर्म को भुगतान किसके इशारे पर हुआ?
कार्रवाई कब और किस पर होगी?

अब फैसला प्रशासन के हाथ में
अब निगाहें सिवनी प्रशासन पर टिकी हैं। यदि निष्पक्ष और सख्त जांच होती है, तो यह मामला कई बड़े नामों को उजागर कर सकता है। अगर कार्रवाई नहीं हुई, तो यह सवाल और गहरा जाएगा—क्या सिस्टम में बैठे लोग ही सिस्टम को कमजोर कर रहे हैं?

नाले में डूबने से बुजुर्ग की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिवनी।

किंदरई थाना क्षेत्र के गोकलथाना गांव में एक बुजुर्ग की नाले में डूबने से मौत हो गई। मृतक की पहचान रतनलाल पन्द्रे (75) के रूप में हुई है। घटना बुधवार सुबह लगभग 11 की है। जानकारी के अनुसार, मृतक रतनलाल पन्द्रे (75), निवासी ग्राम गोकलथाना, अपने मवेशियों को चराने गांव के बाहर गए थे। इसी दौरान वे पास के एक नाले में नहाने उतरे। बताया गया है कि नाले में पानी का स्तर अधिक और बहाव तेज था, जिससे उनका संतुलन बिगड़ा और वे गहरे पानी में डूब गए। संतुलन बिगड़ने से गहरे पानी में डूबे घटना के समय आसपास कोई मौजूद नहीं था, जिससे उन्हें बचाया नहीं जा सका। कुछ देर बाद ग्रामीणों को जानकारी मिली तो वे मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक बुजुर्ग की मौत हो चुकी थी। ग्रामीणों ने तत्काल किंदरई थाना पुलिस को सूचित किया।

पुलिस ने पीएम के लिए भेजा शव

सूचना मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने आवश्यक पंचनामा कार्रवाई कर मर्ग कायम किया। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है और आगे की जांच शुरू कर दी गई है। प्रारंभिक जांच में यह मामला दुर्घटनावश डूबने का प्रतीत हो रहा है। किंदरई थाना प्रभारी गजेंद्र सिंह राजपूत ने बताया कि मृतक के शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। मामले की जांच जारी है।

अज्ञात चोरों ने सूने मकान से तीन लाख रुपए के नकदी सहित ज्वेलरी उड़ाए

छपारा - नगर के महाराणा प्रताप वॉर्ड अंतर्गत जामा मस्जिद क्षेत्र निवासी इमरान खान के सूने मकान में अज्ञात चोरों ने धावा बोल कर नगदी और ज्वेलरी ले उड़े। मिली जानकारी अनुसार 28 अप्रैल को जब परिवार के लोग विवाह समारोह से वापस लौटे तो घर के मुख्य दरवाजे पर लगा ताला टूटा हुआ मिला साथ ही मकान के अंदर का सारा सामान यहां वहां बिखरा हुआ था जिसे देखकर तत्काल पुलिस थाना में सूचित किया गया। तब मौके पर पहुंच कर छपारा पुलिस द्वारा तफ्तीश शुरू कर दी गई वहीं देर शाम को डाग स्क्वायड एवं एफ एस एल टीम ने भी पहुंच कर अपनी सूक्ष्म जांच शुरू कर दी है। वहीं पीड़ित परिवार द्वारा बताया गया कि वह 27 अप्रैल को पूरे परिवार सहित बाहर गए हुए थे और यह चोरी की वारदात घटित हो गई परिजनों के अनुसार अज्ञात चोरों ने घर से लगभग एक लाख साठ हजार रुपए नगदी एवं लगभग ढेड़ लाख रुपए के सोने की ज्वेलरी पर हाथ साफ कर दिया है। जिसकी पुलिस द्वारा सूक्ष्मता से जांच जारी है।

खबर संक्षेप

धर्म नगरी छपारा में गौ भक्तों ने सौंपा चार सूत्रीय ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज सिवनी। छपारा गौमाता सम्मान आह्वान अभियान' के तारतम्य में छपारा नगर के सनातन धर्मियों द्वारा 4 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा गया। जिसमें बड़ी संख्या में उपस्थित गौ भक्तों ने तहसील कार्यालय छपारा पहुंचकर प्रदेश के महामहिम राज्यपाल के नाम तहसीलदार के माध्यम से ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन का वाचन मिनेश राजपूत के द्वारा किया गया। उक्ताशय की जानकारी देते हुए गौ भक्तों ने बताया कि पूर्व निर्धारित कार्यक्रम अनुसार नगर के हनुमान मंदिर से रैली के रूप में, झंडा बैनर के साथ गौ माता के सम्मान में नारे लगाते हुए श्रद्धालु जन तहसील कार्यालय पहुंचे। इस गैर राजनीतिक सामाजिक ज्ञापन कार्यक्रम में छपारा नगर के गौ भक्त के साथ बड़ी संख्या में युवा साथी सहित आदि सम्माननीय जन की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

बिजली का एक और साथी चोर को कोतवाली पुलिस ने किया गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज सिवनी। कोतवाली पुलिस द्वारा लगातार अपराधियों की धरपकड़ करते हुए आम आदमी को राहत पहुंचाने का प्रयास किया जाता रहा हैं जो इसी क्रम में चोरी की 101 घटना का खुलासा कोतवाली पुलिस ने किया है। उल्लेखनीय है कि दिनांक 21/04/2026 को प्रार्थी मनीष कुमार माथुरे पिता प्रेमनाथ माथुरे निवासी संजय वार्ड साई मंदिर बजरंग चौक सिवनी द्वारा रिपोर्ट लेख कराई गई कि इसके मकान से किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा दिनांक 19/04/2026 से दिनांक 21/04/2026 के 16.00 बजे के मध्य घर का ताला तोड़कर अलमारी में रखे सोने-चांदी के जेवरात एवं नकदी 35000/- रुपये चोरी कर लेने की रिपोर्ट पर अपराध क्रमांक 0310/2026 धारा 331(4),305 (A) बीएनएस का पंजीबध्द कर विवेचना में लिया गया उपरोक्त नकबजनी की घटना को अंजाम देने वाले दोनो आरोपी अफरोज उर्फ बिजली और नवील खान से मशरुका सोने, चांदी के जेवर एंव नकदी विधिवत जप्त कर उक्त दोनो आरोपियों को गिरफ्तार कर जिला जेल सिवनी में निरुध्द किया गया है आरोपी अफरोज उर्फ बिजली का एक साथी दरान अमन उके घटना उपरान्त प्रकरण का मशरुका चांदी के जेवर लेकर फरार हो गया था। फरार आरोपी की तलाश पतासाजी हेतु थाना स्तर पर टीम गठित कर आरोपी अमन उके पिता राजेश उके उम्र 20 साल निवासी एफ.सी. आई. गोदाम रोड से शेष मशरुका चांदी के जेवरो को विधिवत जप्ती की जाकर आरोपी अमन उके को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश कर न्यायिक अभिरक्षा में जिला जेल सिवनी भेजा गया है। पूर्व आपराधिक रिकॉर्ड पूर्व में भी आरोपी अमन उके पिता राजेश उके उम्न 20 साल निवासी एफ.सी. आई. गोदाम रोड सिवनी के विरूध्द थाना कोतवाली सिवनी में नकबजनी, सट्टा और मारपीट 03 प्रकरण पंजीबध्द है।

प्राचीन धरोहर बचाने आगे आएं नागरिक, 'ज्ञान भारतम मिशन' में करें सहभागिता

हरिभूमि न्यूज सिवनी। भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा संचालित ज्ञान भारतम मिशन के अंतर्गत प्रदेश में 16 मार्च 2026 से 15 जून 2026 तक विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य प्राचीन हस्तलिखित पांडुलिपियों का खोज, संरक्षण एवं डिजिटलीकरण करना है।
जिला प्रशासन द्वारा नागरिकों से अपील की गई है कि वे इस महत्वपूर्ण अभियान में सक्रिय भागीदारी करें।
यदि किसी के घर, मंदिर, मठ, आश्रम या पुस्तकालय में पुरानी हस्तलिखित पांडुलिपी सुरक्षित हैं, तो उनकी जानकारी ज्ञान भारतम मोबाइल ऐप के माध्यम से साझा करें। यह प्रक्रिया सरल है और इससे हमारी सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक धरोहर को संरक्षित करने में मदद मिलेगी।
कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना के मार्गदर्शन में जिले में विशेष समिति का गठन किया गया है, जिसमें इतिहासकार, प्राध्यापक एवं संबंधित विभागों के अधिकारी शामिल हैं। यह समिति पांडुलिपियों के सर्वेक्षण एवं दस्तावेजीकरण का कार्य कर रही है। जिले के सभी नागरिकों, धार्मिक संस्थानों एवं पुस्तकालय संचालकों से आग्रह है कि वे ज्ञान भारतम मिशन से जुड़कर अपनी पुरानी पांडुलिपियों की जानकारी ऐप पर अपलोड करें और इस राष्ट्रीय अभियान को सफल बनाएं।

नगर परिषद क्षेत्र केवलारी के अंतर्गत आने वाले गांव का किया दौरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ केवलारी।

स्वच्छता सम्बंधित निर्माण कार्यों का किया निरीक्षण केवलारी भारत सरकार एवं मध्यप्रदेश शासन के नगरीय प्रशासन एवं आवास विकास मंत्रालय के निर्देशानुसार राष्ट्रीय स्वच्छता सर्वेक्षण मिशन के अंतर्गत संभागीय कार्यपालन अधिकारी वी एस बघेल के नेतृत्व में एनगर परिषद केवलारी के सीएमओ चंद्र किशोर भवँरएदेवीसिंह बघेल पूर्व जिलाध्यक्ष किसान मोर्चा सिवनीए नगरीय प्रशासन एवं आवास विभाग मंत्रालय के द्वारा नवनियुक्त एल्डरमैन पार्षद सुधीर पाण्डे ए मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ केवलारी के ब्लॉक अध्यक्ष हाजी रफीक खान रामनरेश दुबे, नगर परिषद के दीपक उइके सब इंजीनियर, मयंक बघेल सब इंजीनियर, दुर्गेश भोरिया, उपेंद्र ठाकुर की उपस्थिति में नगर के बस स्टैंडए बाजार चौक एस्टेट बैंक के सामने हो रहे निर्माण कार्यों एवं अन्य जगहों नगर परिषद में जुड़े ग्रामों में पनवास का स्वच्छता अभियान के तहत गहन निरीक्षण किया गया।
एल्डरमैन पार्षद सुधीर पाण्डे एवं रफीक खान के द्वारा नगर के बाजार चौक अन्य स्थानों के साथ ही बस स्टैंड में ग्राम पंचायत के समय पर निर्मित शौचालयों की स्थिति अत्यंत ही जर्जर हो गयीं है। जो अपने पुनर्निर्माण की राह देख रहे हैं। केवलारी का बस स्टैंड जोकि बसों का जंक्शन का बस स्टैंड है। यहाँ से सभी दिशाओं के बस यात्री अपने गंतव्य को जाते है उन्हें शौचालय के अभाव में यहाँ वहाँ भटकना पड़ता है। इन शौचालयों को आधुनिक तरीके से निर्मित होने की आवश्यकता पर जोर दिया। स्वच्छता सर्वेक्षण निरीक्षण टीम के प्रमुख वी एस बघेल के द्वारा कहा गया कि अभी केवलारी नगर परिषद में स्वच्छता से संबंधित निर्माण कार्य चल रहे हैं और नगर में निरीक्षण के दौरान स्वच्छता देखी गई साथ ही कचरा गाड़ी का निरंतर संचालन पाया गया। हमारी टीम के द्वारा देखा गया की केवलारी नगर परिषद का भौगोलिक आकर क्षेत्रफल के हिसाब से काफी बड़ा है। अतः अभी स्वच्छता संबंधित अनेक निर्माण कार्यों का होना बाकी है। अगले वर्ष तक केवलारी नगर परिषद स्वच्छता सर्वेक्षण अभियान में शामिल होने की संभावना हैं।

ग्रामीणों ने पर्यटन सफारी में अपने वाहनों के पंजीयन की मांग को लेकर सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिवनी।

पेंच नेशनल पार्क के खवासा बफर क्षेत्र से जुड़े ग्रामों के ग्रामीणों ने पर्यटन सफारी में अपने वाहनों के पंजीयन की मांग को लेकर वन परिक्षेत्र अधिकारी खवासा को ज्ञापन सौंपा। ग्रामीणों ने बताया कि वे ग्राम आमाझिरी, टुरिया, कुप्पीटोला, सतोश, खंबा, तेलिया और पचधार (तहसील कुरई, जिला सिवनी) के निवासी हैं और उनकी आजीविका मुख्य रूप से पेंच नेशनल पार्क में पर्यटन गतिविधियों, विशेषकर सफारी पर निर्भर है। ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि स्थानीय ग्रामीणों द्वारा अपने वाहनों का सफारी संचालन हेतु पंजीयन कराने के लिए कई बार संबंधित विभाग में आवेदन दिए जा चुके हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। प्रशासनिक स्तर पर लगातार हो रही देरी और टालमटोल के कारण ग्रामीणों को आर्थिक संकट का सामना करना पड़ रहा है और उनका जीविकोपार्जन प्रभावित हो रहा है। ग्रामीणों ने मांग की है कि सफारी के लिए उनके वाहनों का पंजीयन शीघ्र किया जाए, प्रक्रिया को पारदर्शी एवं निष्पक्ष बनाया जाए तथा स्थानीय लोगों को प्राथमिकता दी जाए। साथ ही, लंबित प्रकरणों का जल्द निराकरण करने की भी मांग की गई है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी समस्याओं का जल्द समाधान नहीं किया गया, तो वे आगे आंदोलन करने को बाध्य होंगे।

गुनगुन जलाशय बांध निर्माण पर रोक की मांग, किसानों ने दी आंदोलन की चेतावनी

हरिभूमि न्यूज सिवनी। जिले में प्रस्तावित गुनगुन जलाशय बांध के निर्माण को लेकर किसानों ने शिकायत की है। अपनी जमीनों के छिनने के डर और मुआवजे की मांग को लेकर प्रभावित ग्रामीणों ने 28 अप्रैल को कलेक्ट्रेट पहुंचकर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा।

किसानों ने कहा कि जब तक उन्हें उचित पैसा नहीं मिलता, तब तक काम बंद रखा जाए। भीमकुंडखाल, गुनगुन, गनेरी और लावेसर्रा गांव के किसानों का आरोप है कि ठेकेदारों ने मनमानी शुरू कर दी है। उन्हें अब तक मुआवजे का एक रुपया भी नहीं मिला है, लेकिन ठेकेदारों ने उनके खेतों में सडक़, पुलिया और दूसरे निर्माण कार्य शुरू कर दिए हैं। किसानों का कहना है कि उनकी उपजाऊ जमीन पर बिना किसी भुगतान के कब्जा किया जा रहा है। ग्रामीणों ने प्रशासन पर कानून तोडऩे का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि आदिवासी क्षेत्रों में पेसा एक्ट और भूमि अधिग्रहण कानून के तहत किसी भी प्रोजेक्ट के लिए ग्राम सभा की मंजूरी लेना जरूरी है।किसानों का दावा है कि इस बांध के लिए न तो गांव वालों से पूछा गया और न ही पंचायतों से कोई अनुमति ली गई।

आंदोलन की चेतावनी

किसानों ने प्रशासन को अल्टीमेटम देते हुए कहा है कि अगर एक हफ्ते के अंदर उन्हें मुआवजा नहीं मिला और अवैध निर्माण नहीं रोका गया, तो वे उग्र आंदोलन करेंगे। उन्होंने साफ चेतावनी दी है कि वे धरना-प्रदर्शन और आमरण अनशन पर बैठने को मजबूर होंगे।किसानों ने स्पष्ट किया कि बिना सरकारी भुगतान के वे अपनी जमीन किसी भी हाल में नहीं छोड़ेंगे और किसी भी अनहोनी के लिए शासन-प्रशासन जिम्मेदार होगा।

गायत्री साहू आत्महत्या मामला: आरोपी की गिरफ्तारी की मांग तेज, डीजीपी को सौंपा ज्ञापन

लखनादौन। हरिभूमि संवाददाता मुकेश साहू। सिवनी जिले के धूमा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बंधा में 20 वर्षीय युवती गायत्री साहू की आत्महत्या का मामला अब राजधानी भोपाल तक पहुंच गया है। आरोपी की अब तक गिरफ्तारी न होने से नाराज अखिल भारतीय तेली महासभा (म.प्र.) के प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस मुख्यालय पहुंचकर पुलिस महानिदेशक को ज्ञापन सौंपते हुए निष्पक्ष जांच और त्वरित कार्रवाई की मांग की है।
ज्ञापन में बताया गया कि मृतका गायत्री साहू ने 8 अप्रैल 2026 को जहरीला पदार्थ सेवन कर आत्महत्या का प्रयास किया था, जिसकी उपचार के दौरान जबलपुर मेडिकल कॉलेज में मृत्यु हो गई।

मृतका द्वारा दिए गए मरणासन्न बयान (डाइंग डिक्लेरेशन) में आरोपी रूपेश सिरवैया पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं। आरोप है कि आरोपी पिछले लगभग दो वर्षों से मृतका के साथ शारीरिक संबंध बना रहा था तथा उस पर दो बार गर्भपात कराने का दबाव भी डाला गया। परिजनों के अनुसार 6 अप्रैल 2026 को आरोपी मृतका के घर पहुंचा और उसे तथा उसके परिवार को जान से मारने की धमकी दी। साथ ही विवाह करने से साफ इनकार कर दिया। लगातार मानसिक प्रताडऩा, सामाजिक दबाव और धमकियों के चलते युवती ने यह आत्मघाती कदम उठाया।
घटना के बाद थाना धूमा में आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया है, लेकिन अब तक उसकी गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। इसको लेकर समाज में आक्रोश व्याप्त है। ज्ञापन में यह भी आरोप लगाया गया है कि आरोपी अपने राजनीतिक प्रभाव का उपयोग कर जांच को प्रभावित करने तथा अग्रिम जमानत प्राप्त करने का प्रयास कर रहा है, जिससे पीड़ित परिवार में भय और असुरक्षा का माहौल बना हुआ है।
महासभा ने मांग की है कि मामले की निष्पक्ष और उच्चस्तरीय जांच कराई जाए, आरोपी को तत्काल गिरफ्तार किया जाए ताकि वह साक्ष्यों से छेड़छाड़ न कर सके, तथा पीड़ित परिवार को पर्याप्त सुरक्षा प्रदान की जाए। साथ ही प्रशासन से त्वरित और न्यायोचित कार्रवाई की अपेक्षा जताई गई है।
समाज ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। अब देखना यह है कि प्रशासन इस संवेदनशील मामले में कितनी तत्परता दिखाता है और पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिए क्या कदम उठाता है।

कक्षा 5वीं एवं 8वीं की पुनः परीक्षा 1 से 6 जून तक होगी आयोजित

सिवनी, जिला परियोजना समन्वयक जिला शिक्षा केंद्र सिवनी ने जानकारी देकर बताया कि शासन के आदेशानुसार जिले की समस्त शासकीय, मान्यता प्राप्त अशासकीय, अनुदान प्राप्त शालाओं एवं मदरसों में अध्ययनरत कक्षा 5वीं एवं 8वीं के विद्यार्थियों की पुनः परीक्षा सत्र 2025-26 का आयोजन दिनांक 01 जून से 06 जून 2026 तक निर्धारित समय-सारणी के अनुसार किया जाएगा। उन्होंने बताया कि निर्देशानुसार मुख्य परीक्षा में अनुत्तीर्ण विद्यार्थियों के लिए विषयवार अतिरिक्त शिक्षण की व्यवस्था विद्यालय स्तर पर सुनिश्चित की जाएगी। सभी पात्र विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों को तत्काल सूचना देकर प्रतिदिन अतिरिक्त कक्षाएं संचालित की जाएंगी, जिससे विद्यार्थी पुनः परीक्षा हेतु बेहतर तैयारी कर सकें। जिन विद्यार्थियों द्वारा पूर्व में प्रोजेक्ट कार्य पूर्ण नहीं किया गया है अथवा जिनके प्रोजेक्ट में 7 से कम अंक प्राप्त हुए हैं, ऐसे विद्यार्थियों से संबंधित विषय के शिक्षक द्वारा प्रोजेक्ट कार्य पूर्ण कराया जाएगा तथा उसका मूल्यांकन कर प्राप्तांक परीक्षा पोर्टल पर दर्ज किए जाएंगे।
सभी पात्र विद्यार्थियों को पुनः परीक्षा में सम्मिलित कराने की संपूर्ण जिम्मेदारी संबंधित संस्था प्रमुख एवं शिक्षकों की होगी। साथ ही परीक्षार्थियों को परीक्षा केंद्र तक पहुंचाने की व्यवस्था भी विद्यालय स्तर से सुनिश्चित की जाएगी।
पुनः परीक्षा के लिए परीक्षा केंद्र केवल जनशिक्षा केंद्र स्तर पर निर्धारित किए गए हैं। पूर्व वर्ष की भांति निर्धारित परीक्षा केंद्रों पर ऑन-द-स्पॉट प्रश्नपत्र प्रिंटिंग की व्यवस्था लागू रहेगी। इसके लिए परीक्षा से पूर्व सभी आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी जनशिक्षा केंद्र प्रभारी को सौंपी गई है।

खेल प्रतिभाओं को मिलेगा मंच: ग्रीष्मकालीन शिविर 1 मई से

सिवनी, संचालनालय खेल एवं युवा कल्याण विभाग, भोपाल के निर्देशानुसार प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी जिले में ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन किया जाएगा। इस संबंध में प्रभारी कलेक्टर सुश्री सुनीता खंडायत की अध्यक्षता एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री दीपक मिश्रा के मार्गदर्शन में 28 अप्रैल 2026 को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में लिये गये निर्णयानुसार ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का आयोजन 01 मई से 31 मई 2026 तक प्रातः 06.00 बजे से 08.30 बजे तक एवं सायं 05बजे से 07 बजे तक किया जाएगा। जिला मुख्यालय स्तर पर प्रतिभागियों के लिए 07 मई 2026 तक पंजीयन अनिवार्य किया गया है। इस वर्ष पंजीयन प्रक्रिया को अधिक सुव्यवस्थित एवं पारदर्शी बनाते हुए ऑनलाइन एवं ऑफलाइन दोनों माध्यमों से व्यवस्था की गई है, किन्तु प्रत्येक प्रतिभागी का ऑनलाइन पंजीयन अनिवार्य रहेगा तथा 11 रुपये का शुल्क ऑनलाइन माध्यम से ही जमा किया जाएगा। जिला मुख्यालय सिवनी में विभिन्न खेलों के लिए प्रशिक्षण स्थल निर्धारित किये गये हैं, जिनमें फुटबॉल स्टेडियम (फुटबॉल, एथलेटिक्स, बैडमिंटन - केवल प्रातः), बड़ी पुलिस लाइन मैदान (वॉलीबॉल, कराते), ऑफिसर्स क्लब (बास्केटबॉल), श्री महावीर व्यायामशाला (बॉक्सिंग, जिम्नास्टिक, कूडो), मॉर्डन स्कूल (वुशु), शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय (शतरंज), मेजर ध्यानचंद सिंथेटिक हॉकी स्टेडियम (हॉकी), म.ल.बा. मैदान (कबड्डी) एवं शासकीय तिलक विद्यालय (योग) शामिल हैं।

आईपीएल सट्ट का बड़ा खुलासा! सिवनी में पुलिस की रेड
मोबाइल से चल रहा था ऑनलाइन जुआ: एक गिरफ्तार, एक फरार

सिवनी जिले में आईपीएल सट्टेबाजी पर पुलिस ने एक बार फिर बड़ा एक्शन लेते हुए एक सटोरी को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। कोतवाली पुलिस की इस कार्रवाई ने ऑनलाइन सट्टे के बढ़ते नेटवर्क का पर्दाफाश कर दिया है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिवनी।

पुलिस ने आरोपी के पास से एंड्रॉइड मोबाइल और नकदी जब्त की है, जबकि एक अन्य आरोपी अभी फरार बताया जा रहा है।
जानकारी के अनुसार, दिनांक 27 अप्रैल 2026 को कोतवाली पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि पॉलिटेक्निक कॉलेज के पीछे, सिवनी क्षेत्र में एक व्यक्ति आईपीएल मैच पर ऑनलाइन सट्टा संचालित कर रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस ने तत्काल टीम गठित कर मौके पर दबिश दी। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की, जहां एक युवक मोबाइल पर आईपीएल मैच देखते हुए ऑनलाइन ट्रांजेक्शन कर रहा था। पुलिस को देखते ही वह मोबाइल छुपाने लगा, लेकिन पुलिस की तत्परता के चलते उसे मौके पर ही दबोच लिया गया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम शुभम पटेल (उम्र 29 वर्ष) निवासी अकबर वार्ड, बारापत्थर, सिवनी बताया। आरोपी ने कबूल किया कि वह डूण्डासिवनी निवासी प्रफुल्ल यादव के लिए कमीशन पर काम करता था और व्हाट्सएप के माध्यम से ऑनलाइन सट्टा खिलाता था। बताया जा रहा है कि आरोपी आईपीएल के दिल्ली कैपिटल्स और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के बीच खेले जा रहे मैच पर दांव लगवा रहा था। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक वनप्लस कंपनी का एंड्रॉइड मोबाइल (कीमत लगभग 20,000)5100 नकद जब्त किए हैं। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ जुआ-सट्टा संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

फरार आरोपी की तलाश जारी

इस मामले में मुख्य संचालक बताए जा रहे प्रफुल्ल यादव निवासी टैगोर वार्ड, डूण्डासिवनी अभी फरार है, जिसकी तलाश में पुलिस लगातार दबिश दे रही है। यह पूरी कार्रवाई पुलिस अधीक्षक सुनील मेहता के निर्देशन में की गई। साथ ही एडिशनल एसपी दीपक मिश्रा और एसडीओपी सचिन परते के मार्गदर्शन में कोतवाली पुलिस ने यह सफलता हासिल की।इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक सतीश तिवारी सहित पुलिस टीम के अन्य सदस्यों की सराहनीय भूमिका रही।

विधायक दिनेश राय मुनमुन ने किया बघराज उपार्जन केंद्र का औचक निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिवनी।

बुधवार को सिवनी विधानसभा क्षेत्र के विधायक दिनेश राय मुनमुन ने बघराज उपार्जन केंद्र का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। आज भाजपा विधायक दिनेश राय मुनमुन विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत आने वाले ग्राम बघराज के अरिहंत वेयर हाउस मे स्थापित उपार्जन केन्द्र पहुंचे। और औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उपार्जन केन्द्र मे किसान बंधुओं से निर्धारित तौल से अधिक उपज लिये जाने, किसानों को घटिया क्वालिटी के पुराने और फटे बारदाने उपलब्ध कराये जाने सहित अन्य अव्यवस्थाओं पर विधायक दिनेश राय मुनमुन ने कडी नाराजगी व्यक्त किया और मौके पर ही प्रबंधन को सुधार कर सुचारू व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिये गये। साथ ही विधायक दिनेश राय मुनमुन ने कहा कि किसान बंधुओं के साथ किसी भी प्रकार का अन्याय बर्दाश्त नही किया जाएगा। तौल प्रक्रिया मे पूरी पारदर्शिता रखी जाए और एक ग्राम भी अतिरिक्त उपज न ली जाये। पुराने और फटे बारदानों को तत्काल बदलकर अच्छी क्वालिटी के बारदाने उपलब्ध कराये जाये।

बालाघाट पुलिस की कार्रवाई से रेत माफियाओं में हड़कंप

सोन नदी घाट पर पुलिस का शिकंजा अवैध रेत उत्खनन में 13 आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज बालाघाट/लांजी।

जिले में अवैध रेत उत्खनन और परिवहन के खिलाफ पुलिस का अभियान लगातार तेज होता जा रहा है। पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा के सख्त निर्देशों के बाद जिलेभर में रेत माफियाओं पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में लांजी थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए ग्राम पौसेरा के सोन नदी घाट पर दबिश देकर अवैध रेत उत्खनन और परिवहन में शामिल 13 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मौके से तीन ट्रैक्टर-ट्रॉली, अवैध रेत, फावड़े और तसले भी जब्त किए हैं।पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 28 अप्रैल 2026 की दरम्यानी रात सूचना प्राप्त हुई थी कि ग्राम पौसेरा स्थित सोन नदी घाट से कुछ लोग ट्रैक्टर-ट्रॉलियों में अवैध रूप से रेत भरकर लांजी की ओर ले जाने की तैयारी कर रहे हैं। सूचना मिलते ही अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बैहर आदर्शकांत शुक्ला और एसडीओपी लांजी श्री ओमप्रकाश के मार्गदर्शन में पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की।

पुलिस टीम को देखकर ट्रैक्टर चालक और रेत भरने वाले मजदूर मौके से भागने का प्रयास करने लगे, लेकिन पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए सभी को पकड़ लिया। जांच के दौरान एक ट्रॉली पूरी तरह रेत से भरी मिली, जबकि दो अन्य ट्रॉलियों में आंशिक रूप से रेत के साथ फावड़े और तसले पाए गए। जब चालकों से रायल्टी और वैध दस्तावेज मांगे गए तो वे कोई भी दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके।

पुलिस ने युगल उर्फ राजा सातपुते, दीपक धुर्वे, अजय मलगाम, दिलीप मलगाम, राकेश आमाडारे, कमलेश चापड़े, नितिन चापड़े, देवेंद्र मसराम, दीपक आमाडारे, राधे पंद्रे, नितेश पटले, राजेश सोनवाने और रवि मडावी को गिरफ्तार किया है। सभी आरोपी लांजी थाना क्षेत्र के अलग-अलग गांवों के निवासी बताए गए हैं। पुलिस ने दो महिंद्रा कंपनी के लाल रंग के ट्रैक्टर और एक नीले रंग का सोनालिका ट्रैक्टर ट्रॉली सहित जब्त किया है। आरोपियों के खिलाफ अपराध क्रमांक 136/2026 के तहत धारा 303(2) बीएनएस और खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम 1957 की धारा 4/21 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।इस कार्रवाई में थाना प्रभारी लांजी उने दीप सिंह परमार, निरीक्षक अशोक निनामा, आरक्षक कुलाड़े, आरक्षक राहुल भारद्वाज सहित पुलिस टीम की अहम भूमिका रही।

बुढ़ी शराब दुकान हटाने विरोध, नपाध्यक्ष ने महिलाओं से की मुलाकात

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

बालाघाट के बुढ़ी इलाके में शराब दुकान हटाने की मांग को लेकर महिलाओं का गुस्सा थमने का नाम नहीं ले रहा है। पिछले करीब 15 दिनों से महिलाएं इस 50 साल पुरानी दुकान को रिहायशी इलाके से हटाने के लिए दिन-रात धरने पर बैठी हैं। बीते दिनों दुकान पर हुई हाथापाई और झड़प के बाद अब यह आंदोलन और तेज हो गया है।

बुधवार देर शाम नगर पालिका अध्यक्ष भारती ठाकुर और पार्षद सरिता सोनेकर प्रदर्शन कर रही महिलाओं के बीच पहुंचीं। नपाध्यक्ष ने महिलाओं को सलाह दी कि वे कानून अपने हाथ में न लें और शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रखें। उन्होंने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा सबसे पहले है और वे पुलिस अधीक्षक से बात कर यहां पुलिस बल तैनात करने की मांग करेंगी। हालांकि, उन्होंने दुकान हटाने को लेकर कोई तय समय बताने से मना कर दिया है। वार्ड की महिलाओं का कहना है कि वे पिछले 40-50 सालों से इस परेशानी को झेल रही हैं। सोशल मीडिया पर एक वीडियो भी पोस्ट हो रहा है, जिसमें महिलाएं अपनी तकलीफ बताते हुए कलेक्टर से गुहार लगा रही हैं। महिलाओं ने कलेक्टर को चुनौती भरे लहजे में न्योता दिया है कि वे सिर्फ दो घंटे अपने परिवार के साथ इस इलाके में आकर रहें, तब उन्हें असलियत पता चलेगी। महिलाओं की मांग है कि जिस तरह वार्ड नंबर 24 और 25 से शराब दुकानें हटाई गई हैं, उसी तरह इस दुकान को भी आबादी वाले क्षेत्र से दूर कहीं और शिफ्ट किया जाए। वार्ड पार्षद सरिता सोनेकर ने भी प्रशासन से अपील की है कि लोगों की भावनाओं और सुरक्षा को देखते हुए दुकान को जल्द से जल्द हटाया जाए। फिलहाल, प्रशासन की ओर से कोई ठोस फैसला न आने के कारण महिलाएं पीछे हटने को तैयार नहीं हैं।

आम आदमी पार्टी ने फूंका दागी सांसदों का पुतला, भाजपा में शामिल हुए 7 राज्यसभा सांसदों के खिलाफ जताया विरोध

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

आम आदमी पार्टी ने 29 अप्रैल बुधवार को शहर मुख्यालय के कालीपुतली चौक में भाजपा में शामिल हुए अपने 7 राज्यसभा सांसदों का पुतला फूंका। आप कार्यकर्ताओं ने इन्हें दागी और दल-बदलू बताते हुए इनके खिलाफ जमकर नारेबाजी भी की। राज्यसभा सचिवालय ने २७ अप्रैल को आप पार्टी के सातों सांसदों के भाजपा में विलय को आधिकारिक मंजूरी दे दी। इन सांसदों ने ईडी व सीबीआई की जांच व गिरफ्तारी से डरकर भाजपा का दामन थाम लिया। जिन सांसदों का पुतला दहन किया गया है, इनमें राघव चड्ढा, संदीप कुमार पाठक, पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह, अशोक कुमार मित्तल, विक्रमजीत सिंह साहनी, स्वाति मालीवाल, राजेंद्र गुप्ता शामिल है। इस दौरान आप पार्टी के जिलाध्यक्ष शिव जायसवाल ने इसे राजनीतिक विश्वासघात बताते हुए कहा कि भाजपा ने ऑपरेशन लोटस के तहत इन सांसदों को खरीद लिया है। आप पार्टी ने इन पर विश्वास कर राज्यसभा सांसद के रूप में जनता की सेवा करने भेजा था। जो गिरफ्तारी के डर से भाजपा में

शामिल हो गए जो पार्टी व जनता के साथ बहुत बड़ा विश्वासघात है।

सांई मंदिर में चोरी: मुकुट और दानपेटी का दान ले गए

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

बालाघाट जिले में चोरों ने अब मंदिरों को भी निशाना बनाना शुरू कर दिया है। ग्रामीण थाना क्षेत्र के अंतर्गत नैतरा स्थित सांई मंदिर में मंगलवार और बुधवार की दरमियानी रात चोरी की घटना हुई। अज्ञात चोर सांई बाबा का मुकुट और दानपेटी से दान चुरा ले गए।

चोरी की इस घटना का पता बुधवार सुबह चला, जब भक्त मंदिर में पूजा करने पहुंचे। उन्होंने देखा कि मंदिर के गेट का ताला खुला था और दानपेटी गायब थी।

दानपेटी बाद में मंदिर से लगभग दो किलोमीटर दूर लिंगा क्षेत्र में सड़क किनारे पड़ी मिली। इसे एक किसान ने देखा, जो खेत की ओर जा रहा था। मंदिर समिति ने इस संबंध में ग्रामीण पुलिस को शिकायत दी है।

बताया जा रहा है कि चोर लगभग 60 से 70 हजार रुपये का मुकुट और दानपेटी में जमा दान चुरा ले गए हैं। पुलिस ने घटना स्थल का निरीक्षण कर मामला दर्ज कर लिया है और आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

जैविक खाद से बढ़ रहा हरित संवर्धन

बालाघाट। नगर पालिका परिषद मलाजखंड द्वारा नगरीय प्रशासन विभाग की महत्वाकांक्षी अमृत 2.0 योजना के अंतर्गत मेन रोड बंजारीटोला स्थित लगभग डेढ़ एकड़ क्षेत्र में एक सुंदर, स्वच्छ और आधुनिक पार्क का विकास किया गया है। यह पार्क न केवल शहरवासियों को हरित एवं स्वच्छ वातावरण प्रदान कर रहा है, बल्कि स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में भी एक मिसाल बनता जा रहा है। पार्क के रख-रखाव को पर्यावरण अनुकूल बनाने के लिए नगर पालिका ने परिसर में ही जैविक कम्पोस्टिंग खाद पिट का निर्माण कराया है। इन पिटों में पेड़ों से गिरने वाली पत्तियों और अन्य जैविक कचरे को एकत्रित कर वैज्ञानिक तरीके से कम्पोस्ट खाद तैयार की जा रही है।

बूढ़ी गांव में अवैध मुरूम खनन पर कार्रवाई, जेसीबी मशीन जब्त

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

बालाघाट जिले में अवैध खनन के खिलाफ प्रशासन द्वारा लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में दिनांक 28 अप्रैल 2026 को तहसील बालाघाट अंतर्गत ग्राम बूढ़ी में खनिज मुरूम के अवैध खनन की शिकायत पर जांच की गई।

अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) के निर्देश पर नायब तहसीलदार बालाघाट एवं खनिज निरीक्षक, जिला बालाघाट द्वारा संयुक्त रूप से मौके पर पहुंचकर जांच की गई। जांच के दौरान एक जेसीबी मशीन द्वारा मुरूम का खनन कर ट्रैक्टर-ट्रॉली के माध्यम से सड़क पर मुरूम डाला जाना पाया गया। मौके पर मौजूद जेसीबी मशीन के ऑपरेटर भैयालाल पिता मुन्नालाल खुडासाम, निवासी कटेगांव से खनन संबंधी वैध अनुमति मांगी गई, लेकिन वह कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके। प्रारंभिक जांच में मामला अवैध खनन से संबंधित पाए जाने पर जेसीबी मशीन को जब्त कर कलेक्टर कार्यालय की खनिज शाखा परिसर में खड़ा कराया गया है।

उक्त प्रकरण में मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण का निवारण) नियम, 2022 के तहत अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। जिले में अवैध खनन के विरुद्ध इस तरह की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

लांजी में महापुरुषों की प्रतिमाएं तोड़ने का विरोध

कांग्रेस ने कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

बालाघाट के लांजी क्षेत्र स्थित कंसुली गांव में संविधान निर्माता डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर और महात्मा ज्योतिबा फुले की प्रतिमाएं तोड़े जाने के मामले में एक सप्ताह बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई है। इस घटना के विरोध में कांग्रेस सेवादल ने कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपा और आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।

संयुक्त कलेक्टर प्रदीप कौरव को सौंपे गए ज्ञापन में कांग्रेस सेवादल ने कंसुली में महापुरुषों की प्रतिमाएं तोड़े जाने की घटना की कड़ी निंदा की। उन्होंने पुलिस से आरोपियों को शीघ्र गिरफ्तार करने की मांग की।

कांग्रेस सेवादल के जिलाध्यक्ष जीतू बर्वे ने बताया कि कंसुली की यह घटना क्षेत्र में सामाजिक उन्माद फैलाने की एक साजिश है। उन्होंने चिंता व्यक्त की कि इस मामले में पुलिस द्वारा अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है। बर्वे ने प्रशासन से मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच कराने और दोषियों पर कार्रवाई करने की अपील की।

दरअसल, यह घटना 23 अप्रैल को लांजी थाना क्षेत्र के कंसुली गांव में हुई थी। असामाजिक तत्वों द्वारा महापुरुषों की प्रतिमाएं तोड़े जाने के बाद से अनुयायियों में भारी आक्रोश है। पुलिस में शिकायत दर्ज कराए जाने के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने से लोगों का गुस्सा बढ़ता जा रहा है। इसी कारण बुधवार को कांग्रेस सेवादल ने जिलाध्यक्ष जीतू बर्वे के नेतृत्व में कलेक्ट्रेट में ज्ञापन सौंपा।

ग्रामीणों ने बताया कि पिछले सप्ताह बुधवार और गुरुवार की मध्यरात्रि एक अज्ञात व्यक्ति को प्रतिमाएं तोड़ते हुए एक बालक ने देखा था। बालक के अनुसार, वह व्यक्ति सफेद गमछा लपेटे, सफेद शर्ट और हाफ लोअर पहने हुए था। उसने चबूतरे में लगी डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर और महात्मा ज्योतिबा फुले की प्रतिमाओं को क्षतिग्रस्त किया।

कंसुली गांव में एक चबूतरा बनाकर डॉ. बी.आर. आंबेडकर, महात्मा ज्योतिबा फुले, सावित्रीबाई फुले और महात्मा बुद्ध की प्रतिमाएं स्थापित की गई थीं। घटना के बाद डॉ. बी.आर. आंबेडकर की प्रतिमा चबूतरे पर ही गिरी हुई मिली, जबकि महात्मा ज्योतिबा फुले और सावित्रीबाई फुले की प्रतिमाओं को चबूतरे से दूर फेंक दिया गया था।

बालाघाट जिले में महिला आबादी पुरुषों के बराबर

33 नहीं 50 प्रतिशत आरक्षण दे सरकार, समान राजनीतिक प्रतिनिधित्व हो: विधायक मधु भगत

महिला आरक्षण पर तत्काल निर्णय की मांग, विलंब को बताया जनहित के खिलाफ

हरिभूमि न्यूज बालाघाट। मध्यप्रदेश विधानसभा के शासकीय संकल्प दिवस (27 अप्रैल 2026) के दौरान परसवाड़ा क्षेत्र के विधायक मधुभाऊ भगत द्वारा महिला आरक्षण के मुद्दे पर रखे गए विचारों ने राजनीतिक और सामाजिक विमर्श को एक बार फिर तेज कर दिया है। उन्होंने अपने वक्तव्य में स्पष्ट रूप से कहा कि महिलाओं के सम्मान और अधिकारों की बात केवल भाषणों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि इसे ठोस नीतिगत निर्णयों के माध्यम से तत्काल लागू किया जाना चाहिए।

अपने संबोधन में विधायक मधु भगत ने विशेष रूप से बालाघाट जिले का उल्लेख करते हुए कहा कि यहां महिला आबादी पुरुषों के लगभग बराबर है, ऐसे में केवल 33 प्रतिशत आरक्षण पर्याप्त नहीं है। उन्होंने मांग की कि महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण देकर उन्हें समान राजनीतिक प्रतिनिधित्व दिया जाना चाहिए, ताकि लोकतंत्र में वास्तविक भागीदारी सुनिश्चित हो सके।

विधायक भगत ने विधानसभा की कार्यवाही के दौरान यह उल्लेख किया कि उन्होंने मध्यप्रदेश विधानसभा के नियम 123/1 के अंतर्गत संशोधन प्रस्ताव प्रस्तुत किया था, जिसमें उन्होंने महिला आरक्षण को परिसीमन के बाद लागू करने की बजाय तत्काल प्रभाव से लागू करने की मांग की थी। उनका कहना था कि वर्तमान में जो संकल्प प्रस्तुत किया गया है, उसमें महिला आरक्षण को परिसीमन और जनगणना जैसी शर्तों से जोड़ दिया गया है, जिससे इसकी वास्तविक मंशा पर सवाल खड़े होते हैं।

उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा कि "महिला केवल एक शब्द नहीं है, बल्कि वह एक मां, बहन, शक्ति और सृजन का आधार है। जिस देश में महिलाओं को देवी का दर्जा दिया जाता है, वहां उनके अधिकारों को टालना न्यायसंगत नहीं कहा जा सकता।" उन्होंने यह भी जोड़ा कि सदन में दोनों पक्षों में महिलाएं मौजूद हैं और सभी के प्रति समान सम्मान होना चाहिए, लेकिन वास्तविक सम्मान तब सिद्ध होगा जब उन्हें निर्णय प्रक्रिया में बराबरी का स्थान मिलेगा।

मधुभाऊ भगत ने देश की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत जैसे देश में, जहां जैसी सशक्त महिला प्रधानमंत्री रह चुकी हैं, वहां आज भी महिलाओं को उनके अधिकारों के लिए प्रतीक्षा करनी पड़ रही है, यह चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि यह समय प्रतीक्षा का नहीं, बल्कि

निर्णायक कदम उठाने का है।

उन्होंने वर्ष 2023 में लोकसभा में पारित महिला आरक्षण विधेयक का भी जिक्र किया और कहा कि उस समय सभी दलों ने समर्थन दिया था, लेकिन इसे 2026 तक लागू करने की बात कही गई, जो कि अनावश्यक विलंब है। उनका आरोप था कि बीते तीन वर्षों में केंद्र सरकार द्वारा इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया, जिससे यह स्पष्ट होता है कि सरकार की प्राथमिकताओं में महिला सशक्तिकरण को उचित स्थान नहीं मिल रहा है।

विधायक भगत ने कहा कि यदि सरकार वास्तव में महिलाओं के सशक्तिकरण के प्रति गंभीर है, तो उसे केवल प्रतीकात्मक निर्णयों से आगे बढ़कर ठोस कदम उठाने होंगे। उन्होंने यह भी कहा कि महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने से न केवल राजनीतिक संतुलन मजबूत होगा, बल्कि सामाजिक न्याय भी सुनिश्चित होगा।

उन्होंने सुझाव दिया कि यदि आरक्षण देना ही है, तो इसे 33 प्रतिशत तक सीमित रखने के बजाय 50 प्रतिशत तक बढ़ाने पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए। "जब महिलाएं समाज की आधी आबादी हैं, तो उन्हें आधा अधिकार भी मिलना चाहिए," उन्होंने कहा।

अपने वक्तव्य के दौरान उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि कांग्रेस पार्टी के भीतर महिलाओं को हमेशा सम्मानजनक स्थान दिया गया है और पार्टी में प्रतिस्पर्धा के बावजूद महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित की जाती रही है। उन्होंने कहा कि महिलाओं के मुद्दे पर राजनीति नहीं, बल्कि सर्वसम्मति से निर्णय होना चाहिए।

मधुभाऊ भगत ने अंत में स्पष्ट रूप से मांग रखी कि महिला आरक्षण को किसी भी प्रकार की शर्तों से मुक्त करते हुए तत्काल लागू किया जाए। उन्होंने कहा कि "देश की आधी आबादी को उनके अधिकारों के लिए और अधिक इंतजार नहीं कराया जाना चाहिए। यदि हम वास्तव में महिलाओं के सम्मान और सशक्तिकरण की बात करते हैं, तो इसे व्यवहार में भी उतारना होगा।"

मॉडल स्कूल बिरसा में पर्यावरण व गणित पर जागरूकता कार्यशालाएं आयोजित

हरिभूमि न्यूज बालाघाट। शासकीय मॉडल स्कूल, बिरसा में पर्यावरण शिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत एकल उपयोगी प्लास्टिक एवं जल संरक्षण विषयों पर जागरूकता कार्यशालाओं का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक बनाना तथा उन्हें सतत जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना था।

कार्यशाला में विद्यार्थियों को बताया गया कि एकल उपयोगी प्लास्टिक जैसे पॉलीथिन, प्लास्टिक कप और अन्य डिस्पोजेबल सामग्री पर्यावरण के लिए अत्यंत हानिकारक हैं। इनके स्थान पर पर्यावरण-अनुकूल विकल्प अपनाने की आवश्यकता पर विशेष जोर दिया गया। इसके साथ ही जल संरक्षण पर आयोजित सत्र में विद्यार्थियों को जल के महत्व, वर्षा जल संचयन और जल के विवेकपूर्ण उपयोग के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। विद्यार्थियों ने पर्यावरण संरक्षण विषय पर एक प्रभावशाली नाटक भी प्रस्तुत किया, जिसमें प्लास्टिक प्रदूषण और जागरूक नागरिक की भूमिका को जीवंत रूप में दर्शाया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय बिरसा के इको-क्लब इंचार्ज संतोष कुमार उपाध्याय तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में उच्च माध्यमिक शिक्षक दोहाराम बिसेन उपस्थित रहे। आयोजन का संचालन विद्यालय के इको क्लब प्रभारी जय प्रकाश यादव के मार्गदर्शन में किया गया। इसी क्रम में गणित विषय पर भी एक कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें गणित प्रभारी उम्मेद केलकर ने विद्यार्थियों को महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। वहीं, विद्यालय के पूर्व छात्र एवं वर्तमान में इंजीनियर प्रफुल्ल बडघैय्या ने विद्यार्थियों के प्रश्नों का सरल एवं प्रभावी समाधान किया।

विद्यालय के प्राचार्य सौरभ कुमार शर्मा ने विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभाने तथा शिक्षा के प्रति समर्पित रहने के लिए प्रेरित किया। अतिथियों ने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना करते हुए उन्हें सकारात्मक बदलाव अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षकगण राजेश कुमार धुर्वे, राजेश राहंगडाले, पुष्पेन्द्र कुमार पालके, कमल सिंह मेरावी, उम्मेद केलकर, डिलेश्वरी भगत, स्वाति ब्रम्हनोटे, सुरेश बघेल, आशीष तिल्लासी, संतोष बिसेन एवं फगनूसिंह सैय्याम सहित अन्य अतिथि शिक्षक भी उपस्थित रहे।